RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 236 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी के सलाहकारों ने उनके दिमाग पर कब्जा कर लिया है : रीजीजू
6 श्रीरामनवमी : आत्मशुद्धि और आदर्श जीवन की ओर एक कदम
7 'बादशाह' की सवारी करेंगी सौम्या टंडन

फर्स्ट टेक

बालेंद्र शाह आज नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे

काठमांडू/भाषा। नेपाल में बालेन्द्र शाह 'बालेन' को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के संसदीय दल का नेता चुना गया जिससे उनके सबसे कम उम्र का निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। वह शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के वरिष्ठ नेता बलेंद्र शाह (35) की पार्टी ने पांच मार्च को हुए चुनाव में भारी जीत हासिल की थी। रैपर से राजनीतिक नेता बने शाह देश के शीर्ष कार्यकारी पद पर पहुंचने वाले मधेश क्षेत्र के पहले व्यक्ति भी होंगे। नेपाल के लोगों ने काठमांडू के पूर्व महापौर और नए चेहरे 'बालेन' और उनकी पार्टी आरएसपी को अगली सरकार बनाने के लिए चुना है। यह चुनाव पिछले साल हुए हिंसक जेन-जेड विरोध प्रदर्शनों के बाद हुआ पहला आम चुनाव था, जिनका उद्देश्य पीढ़ीगत बदलाव और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन लाना था।

ओडिशा ने नई आबकारी नीति पेश की, 'नशा मुक्ति' उपकर लगाया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को एक नई आबकारी नीति पेश की, जिसमें 'नशा मुक्ति' उपकर, लाइसेंस शुल्क में वृद्धि और राजस्व तंत्र का पुनर्गठन शामिल है। ओडिशा विधानसभा में आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि यह नीति एक अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2029 तक तीन साल के लिए लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि नई नीति के तहत लाइसेंस शुल्क बढ़ाने और राजस्व तंत्र को पुनर्गठित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्री ने कहा, ''इस नीति ने आधिकारिक तौर पर शराब के सेवन को एक हानिकारक आदत करार दिया है और इसलिए आबकारी शुल्क पर 0.5 प्रतिशत 'नशा मुक्ति' उपकर लागू किया गया है।''

नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू/भाषा। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में बृहस्पतिवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता चार मापी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप के झटके सुबह आठ बजकर 32 मिनट पर दार्चुला जिले के मुरई क्षेत्र के आसपास महसूस किए गए। भूकंप के झटके पास के बैतड़ी और बझांग जिलों में भी महसूस किए गए। भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है।

27-03-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे | 28-03-2026 सूर्योदय 6:18 बजे

BSE	NSE
75,273.45	23,306.45
(+1,205.00)	(+394.05)

सोना	चांदी
14,884 रु.	229,451 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी सिकंदर

कमजोर न समझें आप किसे,
भय पैदा कर सकती बुलबुल।
गुल कौन खिला देगा कैसे,
या फिर कर देगा बत्ती गुल।
कुर्सी के खातिर हर दल की,
रहती धाराएं सब ढुलमुल।
अफसोस आज बस यही हमें,
जनमत की लेवी रही है तुल।।

पश्चिम बंगाल में भगवान राम के भक्तों की कथित पिटाई पर भाजपा अध्यक्ष ने कहा

भगवान राम के कार्य में बाधा डालने वालों को उनका हश्र भुगतना पड़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जैसे आज अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि के रूप में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो चुकी है, वैसे ही बिहार की मां सीता की भूमि सीतामढ़ी भी रामनवमी जैसे आयोजनों के माध्यम से अपनी पहचान मजबूत करेगी।

पटना/भाषा। पश्चिम बंगाल में भगवान राम के भक्तों की कथित पिटाई पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'भगवान राम के कार्य में बाधा डालने वालों को हश्र भुगतना पड़ेगा।'

वह वार्षिक रामनवमी समारोह में भाग लेने के लिए पटना पहुंचे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राम जन्मभूमि को पुनः प्राप्त करने का संघर्ष 450 वर्षों तक चला। अंततः आपने देखा कि इसके मार्ग में बाधा डालने वालों का क्या हश्र हुआ। जो भी भगवान राम के कार्य में बाधा डालने का प्रयास करेगा, उसका भी वही अंजाम होगा। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन वह पश्चिम बंगाल में राम भक्तों की कथित पिटाई पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

नवीन ने कहा कि रामनवमी और नवरात्र पश्चिम बंगाल में भी पूरे उत्साह के साथ मनायी जाती हैं तथा वहां रामायण पाठ का आयोजन होता है। भाजपा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि शुक्रवार को पटना में रामनवमी समारोह में लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे और यह आयोजन ऐतिहासिक बनेगा।

नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से पहले बिहार की राजधानी पटना में इस पर्व के आयोजन का प्रमुख सूत्रधार माना जाता रहा है।

नवीन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि लोग लाखों की संख्या में यहां आएंगे और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनेंगे। यह रामनवमी इतिहास रचे। उन्होंने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल सैयद अता हसनैन, अभिनेता अरुण गोविल, सांसद मनोज तिवारी समेत कई प्रमुख हस्तियां शुक्रवार शाम रामनवमी समारोह में शामिल होंगी।

भाजपा नेता ने कहा कि रामनवमी समिति 2010 से प्रतिवर्ष शोभायात्राओं और झांकियों के साथ समारोह आयोजित करती रही है। उन्होंने कहा, हमने 2010 में आठ शोभायात्राओं से शुरुआत की थी और इस वर्ष कुल 52 झांकियां प्रस्तुत करने की योजना है। यह लोगों की बढ़ती आस्था को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में लाखों महावीर ध्वज लगाए गए हैं और उत्सव का माहौल बनाने के लिए सजावटी इलेक्ट्रॉनिक लाइटिंग की गई है।

नवीन ने कहा कि विभिन्न राज्यों से कलाकार, बैंड और पारंपरिक वादक समारोह में भाग लेने के लिए पटना पहुंच रहे हैं एवं यह आयोजन देश में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा।

देशभर में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया राम नवमी का पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कई राज्यों में राम नवमी के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और सामुदायिक भोज का आयोजन किया गया

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में बृहस्पतिवार को राम नवमी का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर मंदिर रंग-बिरंगे फूलों और रोशनी से सजे हुए थे, जहां पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई दे रही थी जबकि सड़कों पर भव्य शोभा यात्राओं ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया।

कई राज्यों में विशेष पूजा-अर्चना और सामुदायिक भोज का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालु सुबह से ही बड़ी संख्या में मंदिरों में उमड़ पड़े। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे।

देश के विभिन्न हिस्सों में भगवान राम के जन्मोत्सव के मौके पर भव्य शोभा यात्राएं निकाली गईं, जिनमें श्रद्धालु 'जय श्री राम' का उद्घोष करते हुए और भगवा झंडे लेकर उत्सव में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में शुक्रवार को मुख्य उत्सव मनाया जायेगा,जहां राम जन्मभूमि मंदिर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुख्य आकर्षण सूर्य तिलक समारोह होगा।

शुक्रवार को होने वाले उत्सवों से पहले सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है, वहीं राज्य सरकार ने त्योहार के लिए दो दिन (बृहस्पतिवार और शुक्रवार) की छुट्टी की घोषणा की है। वाराणसी और मथुरा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों के मंदिरों को भी सजाया गया है।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में स्थित रघुनाथ मंदिर बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब 36 वर्ष बाद इस सौ साल पुराने मंदिर में राम नवमी की पहली पूजा आयोजित की गई। इस खास अवसर पर न सिर्फ हिंदू श्रद्धालु जुटे, बल्कि उनके मुस्लिम पड़ोसी भी साथ खड़े नजर आए, जिससे माहौल भाईचारे और सौहार्द से भर उठा।

चालकों को प्रशिक्षण देने को खुलेंगे स्कूल : गडकरी

पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं।

मंत्री ने कहा, हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इस पहल के माध्यम से हम एक करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे।

सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है। गडकरी ने कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण भारत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा, ''पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

पाकिस्तान को निरंतर समर्थन देता रहेगा चीन : चीनी राजदूत

इस्लामाबाद/भाषा। चीन के राजदूत जियांग जेदोंग ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ से मुलाकात की और आश्वासन दिया

कि चीन पाकिस्तान में व्यापार व निवेश के लिए निरंतर समर्थन देता रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इस बैठक में उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस्हाक डार और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक के दौरान जियांग ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिरता की सराहना की। प्रधानमंत्री शरीफ ने चीन की ओर से निरंतर मिलने वाले आर्थिक समर्थन की सराहना करते हुए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के दूसरे चरण को आगे बढ़ाते हुए कृषि, औद्योगिक सहयोग और प्राथमिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। जियांग ने पाकिस्तान की आर्थिक मजबूती और सुधार के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए विशेष रूप से व्यापार और निवेश के क्षेत्र में चीन के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।

इंतजार

गुरुवार को असम के गुवाहाटी में जारी एलपीजी आपूर्ति संकट के बीच एक व्यक्ति दोपहिया वाहन पर खाली गैस सिलेंडर लेकर रिफिल के इंतजार में बैठा हुआ।

आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने से 13 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायवरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में बृहस्पतिवार को एक निजी बस की एक ट्रक से टक्कर होने के बाद उसमें आग लग जाने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई तथा 22 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

हालांकि, जिले के पुलिस अधीक्षक वी हर्षवर्धन राजू ने पहले 14 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी लेकिन बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में 13 लोगों की मौत की पुष्टि की गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे में लोगों की मौत होने पर शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में बस हादसे के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

ईरान ने भारत समेत पांच देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है।

तेहरान/नई दिल्ली/भाषा। ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे ''मित्र देशों'' को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है।

पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अराघची ने कहा, ''हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज जलडमरूमध्य से) गुजरने की अनुमति दी है जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आवागमन की अनुमति दी है।''

काला सागर में ड्रोन हमले में तुर्किये का टैंकर क्षतिग्रस्त

इस्तांबुल/एपी। रूस से रवाना हुए तुर्किये के एक तेल टैंकर को बृहस्पतिवार को काला सागर का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले बॉस्फोरस जलडमरूमध्य के निकट एक नौसैनिक ड्रोन से निशाना बनाया गया। तुर्किये के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अल्तुरा नामक टैंकर में सवार तुर्किये के चालक दल सभी 27 सदस्य हमले में सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि हमला बृहस्पतिवार सुबह हुआ, जिसमें टैंकर के ब्रिज और इंजन रूम को नुकसान पहुंचा।

ट्रंप ने ईरान से युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत को लेकर गंभीर होने को कहा

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि ईरानी नेताओं को ''बहुत देर होने से पहले बातचीत शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि एक बार ऐसा हो जाने पर, पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं होगा।'' यह पोस्ट ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद की गई है जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देश समझौते के करीब हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को फिर कहा कि अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्री युद्धविराम योजना को ईरान द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद तेहरान ''हमसे समझौता करने की भीख मांग रहा है।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दुर्गा अष्टमी के अवसर पर शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के एक सरकारी स्कूलों में इस वर्ष 10वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 1100 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह है कि छात्राओं को स्कूल आने-जाने में आसानी हो।

इस कार्यक्रम के दौरान, गुप्ता ने छात्राओं को साइकिल सौंपते हुए उनसे बातचीत भी की। वह शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से ही विधायक हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हमने देखा है कि कभी-कभी लड़कियों को घर से स्कूल जाने में दिक्कतें आती हैं। अब साइकिल की मदद से लड़कियां बिना किसी परेशानी के अपने घर और स्कूल आ जा सकेंगी।

गुप्ता ने कहा कि इस पहल से बालिकाओं की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि मां के रूप में इन कन्याओं का पूजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह स्मरण है कि जहां बेटियों का सम्मान होता है, वहीं सच्ची समृद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा, इसी श्रद्धा और संकल्प के साथ आज 1100 बेटियों को साइकिलें प्रदान की गईं। इस वर्ष से हमारी सरकार ने बजट में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली नौवीं कक्षा में उत्तीर्ण 1,30,000 बेटियों को साइकिल प्रदान करने का प्रावधान किया है। इससे उन्हें आने-जाने में सुविधा होगी, पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर कम होगी और माता-पिता की चिंता भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिल्ली का भविष्य इन बेटियों की उड़ान से ही उज्ज्वल होगा और मां दुर्गा से यही प्रार्थना है, हर बेटी सशक्त बने, हर घर में सुख-समृद्धि आए और यह भक्ति और शक्ति का संगम सदैव बना रहे।''

श्रीनगर के रघुनाथ मंदिर में 36 साल बाद राम नवमी पूजा, हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में स्थित रघुनाथ मंदिर बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब 36 वर्ष बाद इस सौ साल पुराने मंदिर में राम नवमी की पहली पूजा आयोजित की। इस खास अवसर पर न सिर्फ हिंदू श्रद्धालु जुटे, बल्कि उनके मुस्लिम पड़ोसी भी साथ खड़े नजर आए, जिससे माहौल भाईचारे और सौहार्द से भर उठा। हालांकि, मंदिर में अभी मरम्मत और पुनर्निर्माण का काम जारी है, फिर भी मंदिर प्रबंधन समिति ने इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए पूजा का आयोजन किया।

समिति के महासचिव सुनील कुमार ने बताया, ''36 साल बाद यहां राम नवमी की पूजा हो रही है। हममें से कुछ लोग जम्मू से आए हैं, लेकिन देश-विदेश से कई लोगों ने दान देकर मंदिर के पुनर्निर्माण में सहयोग किया है।'' उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण अभी ''मूर्ति स्थापना'' नहीं हो सकी है। कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के सवाल पर सुनील कुमार ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं है, जब तक कश्मीरी मुस्लिम समुदाय का सहयोग न मिले। उन्होंने कहा, ''सरकार हमें एक साल में बसाकर पुनर्वास कर सकती है, लेकिन हमारी वापसी के लिए कश्मीरी मुसलमानों का साथ जरूरी है।'' इस अवसर पर स्थानीय मुस्लिम निवासी गुलाम हसन भी मंदिर पहुंचे और उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''कश्मीरी पंडित और मुसलमान भाई-भाई हैं। हम दशकों से साथ रहते आए हैं।'' राम नवमी के अवसर पर शहर के अन्य मंदिरों, जैसे शंकराचार्य मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई।

सीबीआई ने एसबीआई धोखाधड़ी मामले में रिलायंस टेलीकॉम, पूर्व निदेशकों के खिलाफ छापेमारी की

सीबीआई ने एसबीआई धोखाधड़ी मामले में रिलायंस टेलीकॉम, पूर्व निदेशकों के खिलाफ छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में 114.98 करोड़ रुपए की कथित तौर पर धोखाधड़ी के मामले में रिलायंस टेलीकॉम के दो पूर्व निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद उनके आवासों और कंपनी के कार्यालय में छापेमारी की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने यहां एक बयान में बताया, सीबीआई ने तत्कालीन भारतीय दंड संहिता के तहत साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आपराधिक कदाचार और पद के दुरुपयोग के अपराधों के लिए रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, सतीश सेठ (तत्कालीन निदेशक), गौतम बी. दोषी (तत्कालीन निदेशक), अज्ञात लोक सेवकों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने एसबीआई की शिकायत पर कार्रवाई की, जिसमें बैंक ने धोखाधड़ी और 114.98 करोड़ रुपए के नुकसान की शिकायत की थी। सीबीआई ने बताया, एसबीआई उन 11 बैंकों के समूह का सदस्य था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपए का सावधि ऋण स्वीकृत किया था।

अंतरराज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति का नेटवर्क भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि जालंधर में पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने आरोपियों के पास से 10 देसी पिस्तौल एवं 20 मैगजीन बरामद की।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विदेशी आकाओं के निर्देश पर आरोपी हथियार हासिल करने और गढ़शंकर में एक ट्रैवल एजेंट के आवास पर जबरन वसूली के लिए गोलीबारी करने की घटना में शामिल थे।

प्रदेश पुलिस प्रमुख ने बताया कि सतत जांच के दौरान, उत्तर प्रदेश के इन आरोपियों की गिरफ्तारी से यह खुलासा हुआ कि वे जर्मनी और अमेरिका से सक्रिय विदेशी अपराधियों के इशारे पर काम कर रहे थे और पंजाब के आपराधिक गिरोहों को हथियारों की आपूर्ति कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार ओारपियों के विदेशी आकाओं के साथ मजबूत संबंध होने की पुष्टि हुई है।

इस संबंध में अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है।

देश में 60 दिन का तेल भंडार, एक महीने के लिए एलपीजी आपूर्ति की पक्की व्यवस्था : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में लगभग 60 दिन का तेल भंडार है और एक महीने की एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गई है। सरकार ने कहा कि पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कमी की खबरों को 'जानबूझकर फैलाया गया 'गलत सूचना अभियान' बताया, जिसका उद्देश्य लोगों में घबराहट पैदा करना और खरीदारी को बढ़ावा देना है।

पेट्रोल पंप और एलपीजी वितरकों के यहां घबराहट में खरीदारी और लंबी कतारों की खबरों के बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कच्चे तेल, ईंधन और एलपीजी के भंडार का विवरण जारी किया। इसका मकसद लोगों की घबराहट को दूर करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने भी कहा कि पेट्रोल, डीजल या तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश भर के सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त भंडार है और वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है।

मध्यप्रदेश के एक गांव में शादी का भोज खाने के बाद 150 से अधिक लोग बीमार पड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीहोर/भाषा। मध्यप्रदेश में सीहोर जिले के एक गांव में शादी का भोज खाने के बाद 150 से अधिक लोग बीमार हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसकी पीछे खाद्य विषाक्तता की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी लोगों की हालत खतरे से बाहर है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सीहोर मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर बबाडिया-नौआबाद गांव में बुधवार रात शादी के भोज में लगभग 1,200 लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि भोज के बाद कई लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त होने लगी, जिसके बाद उन्हें देर रात इछावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

अधिकारियों के अनुसार सूचना मिलते ही जिला स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट किया गया और चिकित्सकीय दल इछावर भेजा गया।

एयरलाइन कंपनियों के सामने हैं बड़ी चुनौतियां, स्थिति सुधरने की उम्मीद : डीजीसीए प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह एक ओर यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, वहीं दूसरी ओर एयरलाइन कंपनियों के लिए कामकाज को आसान बनाने के प्रयास भी कर रहा है, ताकि वे आगे बढ़ सकें और बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

नागर विमानन महानिदेशक फैज अहमद किदवई ने कहा कि इस समय एयरलाइन कंपनियों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं, जिनमें हवाई क्षेत्र से जुड़ी पाबंदियों के कारण लंबा मार्ग अपनाना और परिचालन लागत में बढ़ोतरी शामिल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में हालात बेहतर होंगे।

डीजीसीए महानिदेशक किदवई ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भी विमानन क्षेत्र के लिए नई मुश्किलें पैदा कर रहा है, जिसके कारण कई कंपनियों ने उस क्षेत्र के लिए अपनी सेवाएं कम कर दी हैं। उन्होंने कहा, हम केवल यात्रियों के अधिकारों पर ही ध्यान नहीं दे रहे हैं, बल्कि एयरलाइन कंपनियों के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर उनके लिए कारोबार करना आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे आगे बढ़ सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पहले कई एयरलाइन कंपनियां बंद हो चुकी हैं, इसलिए मौजूदा कंपनियों को सहयोग देना जरूरी है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार तथा नियामक संस्थाएं लगातार कदम उठा रही हैं।

हाल ही में यह निर्णय लिया गया कि घरेलू उड़ानों में 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, दिसंबर, 2025 में एक एयरलाइन कंपनी में आई परिचालन बाधा के बाद लगाई गई किराया सीमा को भी हटा लिया गया है। किदवई ने कहा कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण भारतीय एयरलाइन कंपनियों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है, जिससे ईंधन की खपत बढ़ रही है और लागत भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अधिक ईंधन ले जाने के कारण विमान में यात्रियों और माल के लिए जगह कम हो जाती है, जिससे कंपनियों की आय पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन सभी कारणों से विमानन क्षेत्र पर दबाव है, लेकिन उम्मीद है कि आने वाले समय में स्थिति बेहतर होगी। किदवई ने राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित विमानन और पर्यटन सम्मेलन में यह बात कहीं।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल पांच रुपए, डीजल तीन रुपए लीटर महंगा किया

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन कंपनी 'नायरा एनर्जी' ने बृहस्पतिवार को पेट्रोल की कीमतों में पांच रुपए और डीजल में तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है।

रूस की 'रोसनेफ्ट' के स्वामित्व वाली इस कंपनी के देश भर में 6,967 पेट्रोल पंप हैं। सूत्रों के मुताबिक, अलग-अलग राज्यों में वैट के कारण कीमतों में बढ़ोतरी का स्तर थोड़ा कम या ज्यादा हो सकता है। कुछ स्थानों पर पेट्रोल 5.30 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों (आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल) ने फिलहाल सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। निजी कंपनियों का कहना है कि सरकारी कंपनियों के विपरीत उन्हें घाटे की भरपाई के लिए सरकार से कोई आर्थिक मदद नहीं मिलती, इसलिए उनके पास कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। भारत अपनी जरूरत का 88% कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद समुद्र के रास्ते माल ढोने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल के दाम बहुत बढ़ गए थे। सरकारी कंपनियों ने सामान्य ईंधन के दाम तो स्थिर रखे हैं, लेकिन उन्होंने पिछले सप्ताह प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपए और बड़े उद्योगों को बेचे जाने वाले थोक डीजल के दाम 22 रु. प्रति लीटर बढ़ा दिए थे।

सोनिया गांधी की सेहत में सुधार हो रहा है, अब भी निगरानी में हैं: अस्पताल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को संक्रमण होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी सेहत में सुधार हो रहा है, हालांकि वह अब भी चिकित्सकीय निगरानी में हैं। सर गंगाराम अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि गांधी को 24 मार्च की रात को भर्ती कराया गया था। संक्रमण के उपचार के लिए उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं और उन पर दवाओं का अच्छा असर हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं जो उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि एहतियात के तौर पर सोनिया गांधी को अगले कुछ दिनों तक अस्पताल में निगरानी में रखा जाएगा और उनकी हालत स्थिर है। सोनिया गांधी (79) को बुखार होने के बाद मंगलवार रात करीब 10 बजकर 22 मिनट पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूत्रों ने पहले कहा था कि मौसम बदलने के कारण उनकी तबीयत खराब हुई है।

पश्चिम एशिया संकट से एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि घटेगी, महंगाई बढ़ेगी : एडीबी

ADB

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण यदि ऊर्जा बाजार (ईंधन आपूर्ति) में रुकावटें एक साल से अधिक समय तक बनी रहती हैं, तो वर्ष 2026-27 के दौरान एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर में 1.3 प्रतिशत अंक तक की गिरावट आ सकती है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एक शोध में यह अंदेशा जताया गया है कि ऐसी स्थिति में महंगाई दर में भी 3.2 प्रतिशत अंक तक की बढ़ोतरी हो सकती है। एडीबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह संघर्ष ऊंची ईंधन कीमतों, सामान की आवाजाही और व्यापार में बाधाओं के माध्यम से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करता है। इससे पर्यटन और विदेशों में काम करने वाले नागरिकों द्वारा घर भेजे जाने वाले धन (रेमिटेंस) पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि में सबसे गंभीर असर दक्षिण-पूर्व एशिया पर पड़ेगा, जबकि दक्षिण एशियाई देशों में महंगाई सबसे ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा कि ईंधन की आपूर्ति में लंबे समय तक रहने वाली बाधाएं विकासशील देशों के सामने 'धीमी प्रगति' और 'उच्च महंगाई' के बीच एक कठिन स्थिति पैदा कर सकती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारों को बाजार के उतार-चढ़ाव को संभालने और सबसे गरीब तबके को महंगाई की मार से बचाने पर ध्यान देना चाहिए।

विधानसभा चुनावों से पहले 400 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सामग्री जब्त

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से 408 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री पिछले महीने जब्त की गई है।

आयोग ने कहा कि विधानसभा चुनाव और उपचुनाव की घोषणा 15 मार्च को की गई थी, जबकि 'इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम' (ईएसएमएस) को 26 फरवरी को सक्रिय किया गया था।

आयोग के मुताबिक, इसके सक्रिय होने के बाद से विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 408.82 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त की गई हैं, जिनमें 17.44 करोड़ रुपए नकद, 37.68 करोड़ रुपए की शराब, 167.38 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ, 23 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 163.30 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की अन्य वस्तुएं शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट जारी रहा, तो उर्वरक उत्पादन 10-15% घटेगा : क्रिसिल रेटिंग्स

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों की वजह से भारत में यूरिया और मिश्रित उर्वरकों का सालाना घरेलू उत्पादन 10-15 प्रतिशत तक घटने की आशंका है। क्रिसिल रेटिंग्स की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक, आनंद कुलकर्णी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में चल रही समस्याओं से खरीफ मौसम के अहम समय पर उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है। एलएनजी और अमोनिया की आपूर्ति में करीब तीन महीने तक जारी रहने वाली रुकावट से घरेलू यूरिया और मिश्रित उर्वरक उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि उत्पादन पर पड़ने वाले इस असर को कुछ हद तक सरकार के हालिया निर्देश से कम किया जा सकेगा, जिसके तहत यूरिया बनाने वाली कंपनियों को 70 प्रतिशत गैस आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने का उर्वरक स्टॉक, और साथ ही दूसरे स्रोतों से होने वाले संभावित आयात से, आपूर्ति में तत्काल कमी आने का जोखिम कम हो जाएगा।

वंदे भारत के यात्री को दही में मिले कीड़े, रेलवे ने अनुबंध किया खत्म, 50 लाख रुपए जुर्माना लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री को परोसे गए पैकेटबंद दही में कीड़े मिलने के बाद रेलवे ने संबंधित विक्रेता का अनुबंध समाप्त कर दिया है और कंपनी पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

रेल मंत्रालय ने मामले को ठीक से न संभालने के लिए अपनी ही कंपनी, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) पर भी 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

पंद्रह मार्च को, वंदे भारत ट्रेन में सवार सात यात्रियों को रात के भोजन साथ एक जाने-माने ब्रांड का पैकेटबंद दही परोसा गया। पैकेट खोलने पर यात्रियों को उसमें जीवित कीड़े नजर आए। यात्री रितेश सिंह ने तुरंत अपने 'एक्स' हैंडल पर आईआरसीटीसी, रेल मंत्री और अन्य को टैग करते हुए इस मुद्दे को उठाया।

आईआरसीटीसी ने घटना-सह-कार्रवाई रिपोर्ट में पाया कि दही का पैकेट पटना से प्राप्त किया गया था, जिस पर बनाने की तिथि 9 मार्च 2026 और उपभोग की समय सीमा 7 अप्रैल 2026 अंकित थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने यात्रियों से माफी मांगी और उन्हें मेवे और कुछ मिठाई परोसी।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''हमने उन्हें हर संभव तरीके से स्थिति समझाने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने ट्वीट को हटाने से इनकार कर दिया और वीडियो को वायरल करने की अपनी मंशा जाहिर की।''

रिपोर्ट के अनुसार, विक्रेता कृष्णा एंटरप्राइजेज पर खाद्य पदार्थों के प्रबंधन में लापरवाही बरतने के लिए 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया और चेतावनी दी गई। कंपनी को उचित 'कोल्ड चेन' बनाए रखने, अधिक सतर्क रहने और खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

आईआरसीटीसी की कार्रवाई से असंतुष्ट होकर, रेल मंत्रालय ने बुधवार को उसे कृष्णा एंटरप्राइजेज का अनुबंध समाप्त करने और जुर्माने की राशि 25,000 रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का निर्देश दिया।

रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी पर भी 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में छह माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में छह माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में पिछले दो दिनों में राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिवीजन के पांच सदस्यों-- एरिया कमेटी सदस्य मंगेश पोडियमी, गणेश वीके, मंगती जुर्री, हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता और राजे तथा मिलिट्री कंपनी नंबर पांच से संबद्ध पार्टी कमेटी सदस्य स्वरूपा उसेंडी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास के लिए आए इन माओवादी कैडरों ने कुल तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें एक एसएलआर तथा दो .303 राइफल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उनके सामाजिक मुख्यधारा में पुनः एकीकरण तथा हथियारों की औपचारिक सुपुर्दगी आदि की कार्रवाई सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोजित की जाएगी।

सरकार ने अर्थव्यवस्था को पर्याप्त रूप से संभाला है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार ने अर्थव्यवस्था को पर्याप्त रूप से संभाला है। सरकार द्वारा दिए गए आंकड़े सटीक और यथार्थवादी हैं। जीएसटी में छूट और केंद्र से अनुदान प्राप्त नहीं हुए हैं। इन सभी कारणों से बजट राजस्व घाटा हुआ है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर विधान परिषद में हुई बहस के जवाब में मुख्यमंत्री और विपक्षी दलों के नेताओं सहित कुल 26 सदस्यों ने लगभग 14 घंटे 40 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वे सदस्यों की आलोचनाओं और सुझावों की सराहना करते हैं।

उन्होंने कहा, विपक्षी दल इस बार के बजट को राजस्व घाटा बताकर आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इसकी मूल वजह वित्त आयोग में केंद्र सरकार द्वारा राज्य के साथ किया गया अन्याय, जीएसटी संशोधन में 10 हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, जेजेएम में 15 हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और जीएसटी मुआवजे का निलंबन है। 14वें वित्त आयोग में कर्नाटक को 4.713 प्रतिशत हिस्सा मिला था। लेकिन 15वें वित्त आयोग में यह घटकर 3.647 प्रतिशत रह गया, जो 1.1 प्रतिशत कम था और अन्यायपूर्ण था। इसके अनुसार, राज्य के लिए 11495 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है। केंद्र सरकार ने 2023-24 में ऊपरी भद्रा के लिए घोषित 5300 करोड़ रुपये का अनुदान अभी तक जारी नहीं किया है। तत्कालीन भाजपा सरकार ने भी इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी। लेकिन इनमें से कोई भी घोषणा सार्थक नहीं हुई। इसलिए, उन्होंने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से केंद्र सरकार से फिर से अपील करने की आवश्यकता है।

कर संग्रह लक्ष्यों को अवैज्ञानिक बताकर आलोचना की गई है। उन्होंने कहा कि 2025-26 के लिए लक्ष्य 120,000 करोड़ रुपये, 2026-27 के लिए 1,25,000 करोड़ रुपये, उत्पाद शुल्क के लिए 2025-26 में 40,000 करोड़ रुपये और 2026-27 के लिए 45,000 करोड़ रुपये, पंजीकरण विभाग के लिए 2026-27 में 29,000 करोड़ रुपये और मोटर वाहन कर के लिए 15,500 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी अवैज्ञानिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। इस बात की आलोचना की गई है कि हमें गारंटी योजनाओं के कारण ऋण लेना पड़ता है। गारंटी योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। समाज की विचारधारा के अनुसार, महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक शक्ति नहीं दी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल और गैस सिलेंडरों की कीमतें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि संसाधनों को जुटाने के लिए हमने कुछ कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन विभिन्न राज्यों की तुलना में हमारी मूल्य वृद्धि कम है।

वर्ष 2026-27 में गारंटी के लिए 51286 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मार्च 2026 तक गारंटी के लिए 1,31,000 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। वे इसकी आलोचना करते हुए कहते हैं कि इससे विकास के लिए धन की कमी हो गई है। लेकिन 2025-26 में पूंजीगत व्यय 83200 करोड़ रुपये रखा गया है, और 2026-27 के लिए लगभग 84567 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र राज्यों का पूंजीगत व्यय हमसे कम है। हमारी सरकार ने सिंचाई, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य आदि सहित कई विभागों के अनुदान में कटौती नहीं की है। हमारी गारंटी की आलोचना करने वाले भाजपा दल का कहना है कि हमारी गारंटी का अनुसरण अन्य राज्यों में भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मैंने कर्नाटक में 17 बार बजट पेश किया है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अगर मैंने राज्य और जनता के हितों की रक्षा न की होती, तो वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए मैं 17 बार बजट पेश नहीं कर पाता। अगर मैंने जनहितैषी कार्य न किए होते, राज्य के हितों की रक्षा न की होती, और कर्नाटक की जनता का आशीर्वाद, विधायकों और उच्च कमान का समर्थन न मिला होता, तो मैं रिकॉर्ड बजट कैसे पेश कर पाता?

आरक्षण विरोध

आंतरिक आरक्षण में हो रहे अन्याय के खिलाफ बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में खानाबदोश समुदाय का जोरदार प्रदर्शन।

उपचुनाव क्षेत्रों में 9 अप्रैल को आम अवकाश घोषित

बेंगलूरु। राज्य में बागलकोट (24) और दावणगेरे दक्षिण (107) विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा के मद्देनजर, कर्नाटक सरकार ने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में गुरुवार, 9 अप्रैल को आम अवकाश घोषित किया है, जिस दिन मतदान होगा। मतदाताओं को अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने में सुविधा प्रदान करने के लिए कई निर्देश जारी किए गए हैं। यह अवकाश केवल उन निर्वाचन क्षेत्रों पर लागू होता है जहां उपचुनाव हो रहे हैं। यह अवकाश राज्य सरकार के सभी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों (सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों सहित), राष्ट्रीयकृत बैंकों, जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थानों और निर्वाचन क्षेत्र के भीतर स्थित अन्य वैधानिक निकायों पर लागू होगा। सरकार ने 'परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881' और 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951' के तहत सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, व्यापार और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले पात्र मतदाताओं (दैनिक वेतन भोगियों सहित) को सवैतनिक अवकाश देने का आदेश दिया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सरकारी अवर सचिव ने एक बयान में कहा है कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को छोड़कर सभी पात्र मतदाताओं को इस सुविधा का उपयोग करके बिना किसी चूक के मतदान करना चाहिए।

बेंगलूरु 10के में भारतीय एलीट वर्ग की अगुवाई करेंगे गुलवीर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मौजूदा एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह रविवार को बेंगलूरु में होने वाली टीसीएस वर्ल्ड 10के (10 किमी) दौड़ में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस प्रतियोगिता को वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड लेवल का दर्जा हासिल है।

गुलवीर इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने 59:42 का समय लिया था, जो किसी भी भारतीय हाफ मैराथन धावक का सर्वश्रेष्ठ समय है।

टीसीएस वर्ल्ड 10के की कुल पुरस्कार राशि 210,000 अमेरिकी डॉलर है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 26,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

गुलबीर ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''इस प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है और मैं इस साल इसमें भाग लेने को लेकर उत्साहित हूं। बेंगलूरु की सड़कों पर खुद को फिर से परखने का यह एक शानदार अवसर होगा।''

महावीर जयंती की छुट्टी में बदलाव : 31 के बजाय 30 को छुट्टी घोषित

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने वर्ष 2026 के लिए सामान्य छुट्टियों की सूची में मामूली बदलाव किए हैं, जिसमें महावीर जयंती के अवसर पर दी जाने वाली छुट्टी की तारीख में संशोधन किया गया है। सरकार ने मंगलवार, 31 मार्च, 2026 को निर्धारित आम अवकाश को सोमवार, 30 मार्च, 2026 में बदलने का आदेश जारी किया है। यह अवकाश 'परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881' के तहत भी लागू होगा। राज्य सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के अवर सचिव ने इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है और जनता एवं सरकारी कर्मचारियों को इस बदलाव पर ध्यान देना चाहिए, उन्होंने घोषणा में कहा।

मुडा मामले में उच्च न्यायालय ने सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, लोकायुक्त पुलिस और ईडी को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए-मुडा) भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा दाखिल की गई क्लोजर रिपोर्ट' के संबंध में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी पार्वती बी. एम. को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

अदालत ने लोकायुक्त पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से 'बी-रिपोर्ट' (क्लोजर रिपोर्ट) पर भी जवाब मांगा है। 'क्लोजर रिपोर्ट' जांच एजेंसियों द्वारा अदालत को सौंपा जाता है, जिसमें यह बताया जाता है कि अपर्याप्त साक्ष्यों के कारण आपराधिक मामला बंद किया जा रहा है।

लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर 'बी-रिपोर्ट' को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस. सुनील दत्त यादव ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। एमयूडीए मामले में, आरोप है कि सिद्दरामय्या की पत्नी को मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर जमीन आवंटित की गई थी, जिसका मूल्य प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित उनकी जमीन से अधिक है। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 के अनुपात में भूखंड आवंटित किये थे, जिस पर प्राधिकरण ने एक आवासीय परियोजना विकसित की थी।

इस योजना के तहत, एमयूडीए आवासीय परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले भूस्वामियों को विकसित भूमि का 50 प्रतिशत हिस्सा आवंटित करता है। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और उनके साले के खिलाफ इस सिलसिले में मामला दर्ज किया था। लोकायुक्त पुलिस ने बाद में 'क्लोजर रिपोर्ट' दाखिल करके उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिसे 28 जनवरी को जन प्रतिनिधियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने स्वीकार कर लिया।

राम नवमी

भक्ति के रंग में रंगे नन्हे बाल-रूप! बेंगलूरु के मंदिर में 'राम नवमी' के पावन अवसर पर भगवान श्री राम और माता सीता की मनमोहक वेशभूषा में सजे बच्चे।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत

बेंगलूरु। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टें भारत के संविधान के अनुच्छेद 151(2) के तहत मुख्यमंत्री की ओर से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव द्वारा विधान सभा में प्रस्तुत की गईं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टें, अर्थात्, मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य की लेखापरीक्षा रिपोर्ट (अनुवर्ती लेखापरीक्षा-सिविल) (रिपोर्ट संख्या 1 वर्ष 2026), वर्ष 2024-25 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य के वित्तीय मामलों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट (रिपोर्ट संख्या 2 वर्ष 2026) और मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य राजस्व की रिपोर्ट (अनुवर्ती लेखापरीक्षा-सिविल) (रिपोर्ट संख्या 3 वर्ष 2026), भारत के संविधान के अनुच्छेद 151(2) के तहत मुख्यमंत्री की ओर से विधान सभा में प्रस्तुत की गईं।

प्रदर्शन

कर्नाटक दलित संघर्ष समिति ने 1976 की आईपीडी सलप्पा समिति की रिपोर्ट लागू करने की मांग को लेकर फ्रीडम पार्क में बुलंद की आवाज।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं:
27-SNT-MYS-2025-01 & 27-SNT-MYS-2025-02 दिनांक: 20.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
01	एसएमएमएस पोर्टल में अतिरिक्त सिग्नलिंग संपत्तियों के डेटा को अपडेट करने पर मुख्य ध्यान देने के लिए परिचालन वाली रेलवे लाइनों पर अतिरिक्त रखरखाव के काम (पर्यवेक्षण के साथ) करने के लिए 2 साल की अवधि के लिए 17 कुशल सिग्नल तकनीशियनों की भर्ती।	रु. 1,29,84,622.56
02	मैसूरु विभाग में 2 साल की अवधि के लिए एसटी संपत्तियों की स्थापना, रखरखाव और निगरानी के साथ-साथ डीआरएम भवन, अनुभाग, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनी और आरएच/वीआरसी में नई कनेक्टिविटी / प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने के लिए 24 अत्यधिक कुशल दूरसंचार तकनीशियनों की भर्ती।	रु. 2,02,06,886.40

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
11.04.2026, 11:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर
PUB/1015/AAF/PRB/SWR/2025-26 मैसूरु

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेंगलूरु के हित में लिए गए फैसलों का आलोचकों को पछतावा होगा : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के हित में लिए गए हमारे अनेक निर्णयों की आलोचना करने वाले लोग अगले पांच वर्षों में कहेंगे कि डी.के. शिवकुमार ने अच्छा निर्णय लिया था। मैं इस निर्णय से संतुष्ट हूं। अभी मैं इसे किसी और को नहीं सौंप सकता, लेकिन समय आने पर वे सहमत होंगे, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आज सदन में कहा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने गुरुवार को विधानसभा में ग्रेटर बेंगलूरु पर हुई बहस का जवाब देते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, विपक्षी नेताओं ने जीबीए को लेकर कई चर्चाएँ की हैं। आर. अशोक और अश्वथ नारायण ने कई सुझाव दिए हैं। मैं उनके सुझावों से सहमत हूँ। उन्होंने आलोचनाएँ भी की हैं। मैं आलोचना को हमेशा स्वीकार करता हूँ। आलोचना के बिना कोई बदल नहीं सकता। सोने की परीक्षा के लिए उसे अग्नि में तपाया जाता है। उसी तरह, जब किसी व्यक्ति की परीक्षा होती है, तो लोग उसकी आलोचना और आरोप लगाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इसे कैसे सुधारें। आलोचना करने पर मैं तुरंत क्रोधित नहीं होऊंगा।

यातायात जाम प्रबंधन :

मैंने रुचिवश बेंगलूरु विकास विभाग का कार्यभार संभाला है। मैं पहले शहरी विकास मंत्री और ऊर्जा मंत्री रह चुका हूँ। अब मेरे पास काफी अनुभव है और मैंने बेंगलूरु में भी बदलाव लाने का फैसला किया है। हालांकि, कुछ लोगों ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष का भी कर्तव्य है। बेंगलूरु विकास विभाग का कार्यभार संभालने के बाद मैंने काफी अध्ययन किया है। मैं बेंगलूरु की समस्याओं का समाधान ढूंढ रहा हूँ। उस समय यहाँ की जनसंख्या 70 लाख थी, जो अब 1.4 करोड़ हो गई है। यहाँ 13 लाख वाहन हैं। अन्य शहरों में बड़ी सड़कें केवल 16 प्रतिशत हैं, जबकि हमारे यहाँ केवल 8 प्रतिशत हैं। पहले नाइस रोड का निर्माण हुआ था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। अगर उस समय पेरिफेरल रिंग रोड बन जाती, तो 30 लाख करोड़ रुपये खर्च होते। उन्होंने कहा कि इन सभी कारणों से यातायात जाम की समस्या उत्पन्न हुई है।

बेंगलूरु शहर के प्रशासन में सुधार के लिए 15 मई, 2025 को एक नई अधिसूचना जारी की गई और मौजूदा क्षेत्रों सहित पांच निगमों का गठन किया गया। 2 सितंबर को 74वां संशोधन लाने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय अचानक नहीं लिया गया। विपक्ष के नेताओं के अनुसार, एक सदन समिति का गठन किया गया और उनके सुझाव लिए गए। यदि इसमें कोई त्रुटि है, तो उसे भी सुधारा जाएगा। अब 369 वार्ड बनाए गए हैं। बेंगलूरु का विभाजन किसी कारण से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह प्रशासन का विकेंद्रीकरण है। बेंगलूरु में बड़ी परियोजनाएं शुरू की जानी हैं और इसके लिए सरकार को सहायता की आवश्यकता है, और इसके लिए मुख्यमंत्री को जीबीए का प्रमुख बनाया गया है। बेंगलूरु में योजना प्राधिकरण नहीं था, उस समस्या का भी समाधान हो गया है। जीबीए इस पर निर्णय लेगा।

वर्ष 2008 में भाजपा सरकार ने बेंगलूरु के विकास के लिए पांच वर्षों हेतु 1960 करोड़ रुपये का अनुदान दिया था। हमारी सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये दिए थे, जिसे भाजपा ने बढ़ाकर 12,000 करोड़ रुपये कर दिया। इस प्रकार, हमने चरणबद्ध तरीके से 3,000 करोड़ रुपये, 2025 में 7,000 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री अनुदान के रूप में 1,500 करोड़ रुपये दिए हैं। इस वर्ष 7,000 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इस प्रकार, अनुदान समय के साथ बढ़ता गया है। उन्होंने कहा भाजपा ने 2020 में भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए कर कानून में कोई बदलाव नहीं किया है। हमने लोगों को अधिक सुविधाएं प्रदान की हैं। ओटीएस और जुर्माने में कमी सहित कई अवसर दिए गए हैं। ओटीएस के कार्यान्वयन से 1277 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है।

बेंगलूरु ग्लोबल सिटी :

मोदी ने बेंगलूरु को वैश्विक शहर क्यों कहा? उन्होंने कहा कि बेंगलूरु को भविष्य की सभी चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि भारत को बेंगलूरु के नजरिए से देखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा वैश्विक नेता पहले दिल्ली आते थे, लेकिन अब समय बदल गया है, वे पहले बेंगलूरु आएंगे। उन्होंने कहा यह न केवल हमारे प्रयासों से, बल्कि प्रतिभाशाली युवाओं, नागरिकों और सभी सरकारों के प्रयासों से संभव हुआ है।

बेंगलूरु में सड़क चौड़ीकरण असंभव :

ट्रैफिक जाम के बारे में हमारे पास और भी खबरें हैं। भले ही मुंबई, हैदराबाद और दिल्ली की स्थिति हमसे बदतर हो, फिर भी हमारे पास इससे भी बेहतर खबरें हैं। हमने ट्रैफिक को लेकर कई कदम उठाए हैं। बेंगलूरु में सड़क कवरेज सिर्फ 8 प्रतिशत है। सड़क चौड़ीकरण की जरूरत है, और 2013 के मुआवजा कानून के बाद मुआवजा दोगुना होना चाहिए। इसलिए, सड़क चौड़ीकरण असंभव है। इसीलिए हमने बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि को यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता। हमने वहां के भूस्वामियों को 2013 के कानून के अनुसार मुआवजा दिया है। हमने मुआवजे के लिए 5 अवसर दिए हैं। परियोजना के पहले चरण के कार्यान्वयन के लिए 80 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की अनुमति मिल चुकी है। जल्द ही निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। यह सड़क बेंगलूरु में ट्रैफिक जाम को आधा कर देगी। इस परियोजना के लिए एक ही दिन में 26,000 करोड़ रुपये का ऋण देने के लिए हम हुडको के आभारी हैं।

यातायात जाम से राहत पाने के लिए सुरंग एक अच्छा विकल्प है:

चूंकि शहर के अंदर सड़कों को चौड़ा करना असंभव है, इसलिए मैंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और प्रधानमंत्री से मुलाकात की है और सुरंग वाली सड़क बनाने का प्रस्ताव रखा है। मुंबई में 6-7 सुरंग वाली सड़कें बन रही हैं। बेंगलूरु में यातायात की भीड़ कम करने के लिए इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सुरंग वाली सड़क के कुछ बिंदुओं पर भूमि अधिग्रहण के लिए 2-3 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया इसके अलावा, सड़क निर्माण के लिए 17 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। हमारी निविदा और अन्य राज्यों की सुरंग वाली सड़कों की निविदाओं में बड़ा अंतर है। हमारी लागत 700-800 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर होगी, जबकि अन्य राज्यों की लागत 1300-1400 करोड़ रुपये है।

कार्यालय परियोजना प्रबंधक, यूनिट -01
कन्सट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज
उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय)
(उ0 प्र0 सरकार का उपक्रम)
कार्यालय पता:- भवन सं0-6, कृष्णा कुटीर व्हाईट हाउस, फेज-2, वीरास्वामी रेड्डी ले-आउट के समीप, कांदुगौडी, बैंगलुरु। Mob. No. 7379017520
e-mail : cdsunit01@gmail.com

पत्रांक: 342/एम-6/82
दिनांक: 24.03.2026

ई-निविदा सूचना

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा Construction of Central Covered Courtyard Works at Jawahar Navodaya Vidyalaya Ramanagra, Distt.-Ramanagra (Karnataka) अनु. लागत ₹ 90.13 लाख हेतु दिनांक 03.04.2026 की अपरान्ह 05:00 बजे तक ई-निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। उक्त कार्य हेतु ई-निविदा प्रपत्र दिनांक 26.03.2026 से दिनांक 03.04.2026 के मध्य उत्तर प्रदेश सरकार की e-procurement की वेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड किये जा सकते है तथा ई-निविदा दिनांक 04.04.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, यूनिट-01, सी. एण्ड डी.एस., उ.प्र. जल निगम (नगरीय), भवन सं.-6, कृष्णा कुटीर व्हाईट हाउस, फेज-2, वीरास्वामी रेड्डी ले-आउट के समीप, कांदुगौडी, बैंगलुरु खोली जायेंगी। ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य ₹5,000+GST (18%) अतिरिक्त देय होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाइट www.cdsupjn.org एवं प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

समस्त शुद्धि पत्र (Corrigendum) https://etender.up.nic.in पर ही अपलोड किये जायेंगे, इनका पृथक से कोई प्रकाशन नहीं किया जायेगा। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है, कि वे उक्त वेबसाईट का समय-समय पर अवलोकन करते रहें।

देश में तीर्थस्थलों का हो रहा विकास : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम भारत की आत्मा और सनातन के गौरव हैं। वे मर्यादा के प्रतीक, सत्य के संवाहक, धर्म के रक्षक और सेवा के सर्वोच्च आदर्श हैं। श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि चरित्र, कर्तव्य और करुणा का स्थान पद एवं प्रतिष्ठा से सदैव ऊंचा है। मुख्यमंत्री गुरुवार को जोधपुर के शिकारपुरा (लूणी) स्थित श्री राजाराम आंजणा आश्रम में आयोजित रामनवमी मेले तथा सिद्ध संत राजाराम जी महाराज के 144वें जन्मोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामनवमी का पावन पर्व और संत राजाराम जी महाराज का जन्मोत्सव एक ही दिन होना आध्यात्मिक परंपरा का अद्भुत संगम है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों को संत राजाराम जी महाराज ने जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया। वे एक तपस्वी ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का कार्य हो रहा हैं। अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण, वाराणसी से लेकर महाकाल महालोक कॉरिडोर सहित प्रमुख तीर्थस्थलों के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाल विवाह उन्मूलन और बालिका शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ संरक्षण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश की गौशालाओं को 3 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान वितरित किया गया है। साथ ही, 1 लाख 37 हजार से अधिक निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आवासित किया गया है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को सांस्कृतिक चेतना के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। राजकीय मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों के लिए 25 करोड़ 38 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। वहीं, वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्री योजना के माध्यम से अब तक 86 हजार से अधिक बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवाई जा चुकी है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार रामजल सेतु लिंक परियोजना, इंदिरा गांधी नहर के पुनर्निर्माण सहित विभिन्न कार्यों से पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरों टॉलरेंस की नीति के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जोधपुर को एलिवेटेड रोड देने के लिए भी कार्य जारी है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि प्रदेशवासी प्रभु श्रीराम के आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करें, ताकि एक सशक्त और सुसंस्कृत समाज बने। गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी ने कहा कि संत दयाराम जी महाराज के नेतृत्व में समाज व्यसन मुक्त होते हुए शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी रूप से सहभागिता निभा रहा है। यह सभी के लिए अनुकरणीय है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि संत राजाराम जी महाराज ने जीवनभर मानव सेवा और सामाजिक उत्थान के लिए कार्य किया। सांसद श्री मदन राठौड़ ने कहा कि इस पावन धाम और पावन संतों के सानिध्य से ही नई पीढ़ी का उत्थान संभव है। सामाजिक सरोकारों के साथ सांस्कृतिक एवं पारंपरिक जुड़ाव से ही समाज, प्रदेश और देश का विकास हो सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिकारपुरा धाम के गादीपति संत दयाराम जी महाराज का अभिवादन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने यहां मेले का अवलोकन किया तथा शिकारपुरा के संत श्री राजाराम आश्रम के ऐतिहासिक मंदिर एवं समाधि स्थल के दर्शन किए। श्री शर्मा ने श्रद्धालुओं का आत्मीयता के साथ अभिवादन भी किया।

राजस्थान के बीकानेर संभाग में हल्की बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के बीकानेर संभाग में हल्की बारिश हुई है वहीं बृहस्पतिवार को भी कहीं-कहीं बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह तक के बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य के बीकनेर संभाग में तेज हवाओं के साथ बहुत हल्की वर्षा हुई। बाकी हिस्सों में मौसम मुख्यत शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान बाड़मेर में 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान अंता में 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौमस केंद्र के अनुसार आगामी दिनों में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि 26-27 मार्च को सीमावर्ती क्षेत्रों व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने का अनुमान है।

वहीं एक नया पश्चिमी विक्षोभ 28-30 मार्च को राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होगा जिससे तेज आंधी व बारिश आ सकती है। इसी तरह 28 मार्च को पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में आंधी-बारिश हो सकती है। जबकि इस विक्षोभ का सबसे अधिक असर 29-30 मार्च को रहेगा और जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आने तथा कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

पुलिस कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को अलवर जिले में एक पुलिस कांस्टेबल सहित दो लोगों को 20,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार अलवर के पुलिस थाना कठूमर में कांस्टेबल रामेश्वर सिंह और निरंजन सिंह नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके एक रिश्तेदार के खिलाफ थाना कठूमर में दर्ज मामले की जांच में मदद करने के नाम पर सहायक पुलिस निरीक्षक (एएसआई) नरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल रामेश्वर सिंह व निरंजन सिंह नाम के व्यक्ति द्वारा 20,000 रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद बुधवार को कार्रवाई की। इस दौरान कांस्टेबल रामेश्वर व निरंजन परिवादी से रिश्वत की रकम लेते पाए गए। इस मामले में आरोपी एएसआई नरेन्द्र सिंह की गिरफ्तारी होनी अभी बाकी है।

नीमराणा बनेगा औद्योगिक निवेश का ग्लोबल मॉडल : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीमराना। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को कोटपूतली-बहरोड़ के रीको नीमराना औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर औद्योगिक इकाइयों की कार्यव्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उद्योगों को प्रोत्साहन देने और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिनके लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न नीतियों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश आर्थिक समृद्धि के प्रमुख आधार हैं तथा उद्यमी राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य सचिव ने इस दौरान जापानीज जोन की डाइकिन एयर-कंडीशनिंग इंडिया प्रा. लि. का निरीक्षण कर वहां की आधुनिक तकनीक और उत्पादन क्षमता का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रयासों से राज्य में निवेश को गति मिली है और उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण विकसित हुआ है। उन्होंने उन्नत तकनीक आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कंपनी के जापानी और भारतीय प्रतिनिधियों एवं रीको के अधिकारियों से चर्चा कर क्षेत्र की औद्योगिक प्रगति और निवेश की स्थिति की प्रारंभिक जानकारी प्राप्त की, साथ ही शोर्ट वीडियो के माध्यम से कंपनी की कार्यप्रणाली को जाना एवं राजस्थान में जापनीज निवेशकों और कंपनियों के साथ भविष्य में राजस्थान में और अधिक निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

डीजेआईएमई नीमराणा में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव ने नीमराना औद्योगिक संघ तथा भारतीय एवं जापानी कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने उद्योगपतियों की समस्याएं, प्रस्ताव एवं सुझावों को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान व आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी, सीएनजी और पेट्रोल डीजल उपलब्ध है, निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रहे है। उन्होंने कहा कि राजस्थान तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है और सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है।

उन्होंने मेक इन इंडिया के तहत उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे राज्य की औद्योगिक पहचान और सुदृढ़ होगी। मुख्य सचिव ने बताया कि वह नीमराना मॉडल ऑफ मैन्युफैक्चरिंग का अध्ययन करने आए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस मॉडल को और अधिक सुदृढ़ करना चाहते हैं। बैठक में उद्योगों के साथ समन्वय को और अधिक व्यवस्थित करने, नए रीको क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को बढ़ाने तथा जापानी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि जेट्रो के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के जापान दौरे के दौरान हुए विचार-विमर्श के बिंदुओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार में स्वास्थ्य सेवाएं ठप, राजस्थान का हेल्थ मॉडल हो रहा कमजोर : रघु शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में डबल इंजन सरकार का आधा कार्यकाल समाप्त हो चुका है किन्तु भाजपा सरकार के केन्द्र में राजस्थान की 8 करोड़ जनता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना प्राथमिकता में नहीं है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन में जमीनी स्तर पर चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया जाकर विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का ढांचा तैयार किया गया था। साथ ही सभी को चिकित्सा मिल सके इस हेतु लोक-कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई थी। राजस्थान जो देश का सबसे बड़ा राज्य है यहाँ कांग्रेस शासन के दौरान नि:शुल्क दवा योजना लागू की, नि:शुल्क जाँच योजना लागू की तथा कैशलेश 25 लाख रूपये तक के ईलाज की सुविधा प्रदान की गई थी, इन योजनाओं के आधार पर इस तरह की लोक-कल्याणकारी योजना लागू करने वाला राजस्थान प्रदेश चिकित्सा के क्षेत्र में देश का सिरमौर राज्य बना, यह कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार का विजन था।

उक्त विचार राजस्थान सरकार के पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय जयपुर पर प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के हर कार्यकाल में नि:शुल्क दवा तथा जाँच योजना का दायरा बढ़ाया गया। जाँच योजना में महँगी जाँचे जिसमें 5 हजार रूपये की एमआरआई जाँच भी शामिल की, सरकार की सोच प्रदेश के 8 करोड़ लोगों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने की थी। राजस्थान में कम मेडिकल कॉलेज थे और प्रदेश के छात्र भारी कैपिटिशन फीस देकर दूसरे राज्यों में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जाते थे। कांग्रेस ने निरोगी राजस्थान की कल्पना की थी इसी को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान पहला राज्य हुआ जहाँ राईट टू हैल्थ कांग्रेस ने पारित किया किन्तु डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इस कानून को ठण्डे बस्ते में डाल दिया और कोई नियम नहीं बनाए क्योंकि चिकित्सा इस सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

दुर्भाग्य है कि जो योजनाएं और कार्य कांग्रेस सरकार के शासन में प्रारम्भ हुए थे जैसे एसएमएस अस्पताल का आईपीडी टावर जो 24 मंजिल का है और 1200 बैड की सुविधा मिलनी है उसकी हालत आज भी जस की तस जैसे हमने छोड़ी थी बनी हुई है। हर परियोजना के पूर्ण होने की एक अवधि होती है और बजट निर्धारित होता है किन्तु कांग्रेस की सिंगल इंजन सरकार जाने के ढाई वर्ष बीतने के बावजूद डबल इंजन की सरकार यह कहने की स्थिति में नहीं है कि यह परियोजना कब पूर्ण होगी और लोगों को सुविधा कब से मिलने लग जाएगी। इसी प्रकार सांगानेरी गेट जयपुर पर महिला चिकित्सालय में आईपीडी टावर का कार्य कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने प्रारम्भ किया था जिसमें 100 बैड की सुविधा के साथ ही 4 ऑपरेशन थियेटर की सुविधा हेतु बिल्डिंग बनना प्रारम्भ हो गई थी बजट प्रावधान हो गए थे किन्तु भाजपा सरकार आज भी यह बताने की स्थिति में नहीं है कि लोगों को चिकित्सा सुविधा कब मिलने लगेगी, समस्त कार्य ठप्प पड़ा हुआ है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में अनगिनत जिला अस्पताल खोले, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले, अधिकांश में तीन चौथाई कार्य कांग्रेस शासन में ही पूर्ण हो गया था किन्तु आधा कार्यकाल बीतने के बावजूद भाजपा सरकार के कार्यकाल में इनका शेष मामूली बचा हुआ कार्य भी पूर्ण नहीं हुआ, यह राजस्थान के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिया कुमारी ने रामनवमी पर सिटी पैलेस में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर सिटी पैलेस स्थित सीताराम जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए भगवान राम से सभी के जीवन में खुशहाली, सद्भाव और उन्नति का आशीर्वाद मांगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी का यह पावन पर्व हमें धर्म, सत्य और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों को इस शुभ अवसर की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

भाजपा सरकार की संवेदनहीनता का शिकार आधुनिक महिला आईपीडी टावर : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि जयपुर के महिला अस्पताल में निर्माणाधीन महिला आईपीडी टावर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की संवेदनहीनता का शिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि 117 करोड़ रुपये की लागत से बन रही 500 'बेड' की इस परियोजना को मौजूदा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि राज्य का विश्वस्तरीय स्वास्थ्य ढांचा आज राज्य सरकार की अदूरदर्शिता और राजनीति का शिकार हो रहा है।

गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया सीरीज 'इंतजारशास्त्र' के 'तीसरे अध्याय' में जयपुर स्थित सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय (महिला अस्पताल) के निर्माणाधीन आईपीडी इमारत की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी तत्कालीन सरकार की सोच राजस्थान को स्वास्थ्य सेवाओं में 'आदर्श राज्य' बनाना था। इसी सोच से फरवरी 2023 में 117 करोड़ रुपये की लागत से इस आईपीडी टावर का काम शुरू किया गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना को अगस्त 2025 तक पूरा कर जनता को समर्पित किया जाना था। उन्होंने सवाल किया कि जब बजट आवंटित था और काम प्रगति पर था तो वर्तमान राज्य सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में क्यों डाल दिया?

उन्होंने कहा, इस देरी के कारण आज भी महिला अस्पताल में बिस्तर की कमी और भारी भीड़ के कारण प्रदेश की माताओं-बहनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा, क्या भाजपा सरकार के लिए महिला स्वास्थ्य कोई प्राथमिकता नहीं है? सिर्फ इसलिए कि यह योजना कांग्रेस सरकार ने शुरू की थी, क्या प्रदेश की महिलाओं को आधुनिक सुविधाओं से वंचित रखना न्यायसंगत है? इस देरी से होने वाली असुविधा की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? उन्होंने सरकार से मांग की कि राजनीतिक द्वेष को त्याग कर जनहित की इस परियोजना को अविलंब पूरा किया जाए।

बैरवा ने तारानगर में नवनिर्मित भवन किया लोकार्पण

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा गुरुवार को चूरू जिले के तारानगर स्थित मां जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय में भामाशाह ताराचंद गोयल द्वारा नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया तथा भवन का अवलोकन कर निर्माण कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग शिक्षा, विज्ञान और तकनीक का है। युवाओं को अपना लक्ष्य तय कर एकाग्र एवं समर्पित होकर अपने सपनों को साकार करना चाहिए। अपने पुरुषार्थ से अर्जित कमाई का शिक्षा जैसे पुण्य कार्य के लिए दान करने वाले लोग सदैव अभिनंदन के योग्य हैं। उप मुख्यमंत्री ने भामाशाह ताराचंद गोयल एवं विम्मी गोयल द्वारा स्व. राधाकृष्ण भगत एवं स्व. नारायणी देवी भगत की स्मृति में गोयल परिवार की सराहना करते हुए कहा कि चूरू शिक्षा, सेवा और संस्कृति के लिए काम करने वाले लोगों की धरती है। सक्षम एवं सफल व्यक्ति को समाज में दूसरे लोगों की मदद करनी चाहिए तथा अन्य लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के दिए मंत्र 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा का प्रकाश हर व्यक्ति, हर घर तक पहुंचना चाहिए। इसी दृष्टिकोण के साथ राज्य सरकार प्रदेश के शैक्षणिक विकास के लिए अभूतपूर्व काम कर रही है। उन्होंने विज्ञान भवन निर्माण की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए युवाओं से कहा कि यह आपके सपनों की प्रयोगशाला है, यहां नए विचारों का जन्म होगा और आपके सपनों को उड़ान मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, भारतीय पैरालिंपिक कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं आमजन मौजूद रहे।

वन रक्षक अनीता चौधरी को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने सम्मानित किया

कोटा। राजस्थान के शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में तैनात वन रक्षक अनीता चौधरी को वन्यजीवों के बचाव और संरक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'मछली पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सोमवार को जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर' (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा प्रदान किया गया और इसमें 50,000 रुपये की इनामी राशि दी गई। साल 2016 में वन विभाग में शामिल हुईं अनीता ने लगभग एक दशक तक शेरगढ़ अभयारण्य में सेवाएं दी हैं और इस दौरान 500 से अधिक जंगली जानवरों को बचाया, जिनमें कई दुर्लभ और खतरनाक प्रजातियां शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने वन्यजीवों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई बार संकटपूर्ण परिस्थितियों का भी सामना किया। बारां शहर से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित शेरगढ़ अभयारण्य में भारतीय तेंदुए, भालू और लकड़बग्घे जैसी कई स्तनधारी प्रजातियों का वास है। अनीता ने बचाव कार्यों के अलावा वन क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोटा के सहायक वन्यजीव संरक्षक अनुराग भटनागर ने कहा, अकेले ड्यूटी करते हुए अनीता चौधरी ने मगरमच्छों सहित कई जानवरों का बचाव किया, शिकारियों को गिरफ्तार किया और स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के बावजूद तेंदू पत्तों के अनधिकृत संग्रह को पूरी तरह रोका। अनीता को विशेष रूप से मगरमच्छ बचाव अभियानों के लिए जाना जाता है। एक चर्चित घटना में उन्होंने लगभग छह फीट लंबे मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से बचाया था, जो एक 70 वर्षीय महिला के घर में घुस गया था।

राहुल गांधी के सलाहकारों ने उनके दिमाग पर कब्जा कर लिया है : रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सदन में टी-शर्ट पहनकर आने पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता के दिमाग पर उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने कब्जा कर लिया है और वह संसद में वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार उन्हें बोलने को कहते हैं। रीजीजू ने यहां 'टाइम्स नाउ समिट' में हिस्सा लेते हुए कहा, ''निजी तौर पर, मुझे राहुल गांधी से कोई दिक्कत नहीं है। हम मिलते हैं, (बैठक) कक्ष में और उसके बाहर एक-दूसरे से बात करते हैं, क्योंकि वह प्रतिपक्ष के नेता हैं। यह ठीक है। कोई दिक्कत नहीं। लेकिन जब आप औपचारिक रूप से सदन के पटल पर बोल रहे होते हैं, तो आपको परंपराओं, नियमों और शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। ये संसदीय लोकतंत्र के बहुत जरूरी हिस्से हैं...।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन राहुल गांधी का दिमाग उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने 'हाईजैक' कर लिया है। वह वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार बोलने को कहते हैं।''

खराब मौसम के कारण देरी से कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा ममता बनर्जी का विमान

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विमान बृहस्पतिवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण एक घंटे से अधिक देरी के बाद यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर सका। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पश्चिम बर्द्धमान जिले के अंडाल में चुनावी रैलियों में शामिल होने के बाद कोलकाता लौट रही थीं, तभी मौसम खराब हो गया और हवाई अड्डे पर विमान परिचालन प्रभावित होने लगा। मुख्यमंत्री एक चार्टर्ड विमान में यात्रा कर रही थीं जिसने अंडाल हवाई अड्डे से अपराह्न लगभग 3.30 बजे उड़ान भरी और कोलकाता में उसे शाम लगभग चार बजे उतरना था। सूत्रों ने बताया कि कोलकाता में अचानक भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण विमान समय पर नहीं उतर सका और उसे एक घंटे से अधिक समय तक आकाश में चक्कर लगाने पड़े। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने पहले कहा था, ''विपरीत मौसमी परिस्थितियों के कारण मुख्यमंत्री का विमान कोलकाता में कुछ देर तक उतर नहीं पाया था।'' अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण हवाईअड्डे पर विमान परिचालन लगभग 20 मिनट के लिए अस्थायी रूप से स्थगित करना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक मुख्यमंत्री का विमान मौसम में सुधार होने के बाद अंततः शाम 5.19 बजे सुरक्षित उतर गया।

नए बिहार के लिए नीतीश कुमार का योगदान ऐतिहासिक, बिहार सदैव ऋणी रहेगा : नितिन नवीन

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए बिहार के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो योगदान दिया है, उसके लिए राज्य सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने नाउम्मीदी के दौर से निकालकर बिहार को विश्वास और विकास के मार्ग से जोड़ा तथा बिहारियों के सम्मान को लौटाने का काम किया है। यहां बापू सभागार में मुख्यमंत्री की 'समृद्धि यात्रा' के जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि नीतीश कुमार ने इसके जरिए बिहार में उत्सव का माहौल बनाया है और राज्य अब विकास के इस सफर में इसी उत्सव के वातावरण में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एक विधायक के तौर पर उन्हें मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काफी कुछ सीखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, संभवतः एक विधायक के तौर पर यह मेरा आखिरी सरकारी कार्यक्रम हो, लेकिन पटना और बिहार के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मुख्यमंत्री ने विकास को जो नया आयाम दिया है, उसे आने वाले दिनों में केंद्र सरकार की मदद से मैं और गति देने का काम करूंगा।

मोदी सरकार वास्तविकता से कटी हुई है, एलपीजी की कमी को स्वीकार नहीं कर रही : सागरिका घोष

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को सरकार पर ''एलपीजी की कमी'' को स्वीकार न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार वास्तविकता से कटी हुई है और नागरिकों की चिंताओं को दूर करने का प्रयास नहीं कर रही है। घोष ने आरोप लगाया कि सरकार संकट का दोष और बोझ आम जनता पर डालने की कोशिश कर रही है। तृणमूल सांसद ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार वास्तविकता से पूरी तरह से कटी हुई है। देश भर में, छोटे भोजनालय, रेस्तरां, लघु उद्योग, अनौपचारिक क्षेत्र तथा श्रमिक, गृहिणी, वरिष्ठ नागरिक और छात्र, सभी एलपीजी गैस की इस गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मोदी सरकार इस वास्तविकता को स्वीकार करने को बिल्कुल तैयार नहीं है। वह कह रही है, 'घबराइए मत।' जैसे कि इस आपात स्थिति में घबराने के लिए नागरिक ही जिम्मेदार हों...।'' उन्होंने कहा कि लोगों का घबराना जाहिर है। घोष ने कहा कि सरकार ने आवश्यक सामग्री का भंडारण क्यों नहीं किया। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सवाल किया, ''बेशक, एलपीजी नहीं मिल सकने और इसकी कमी की आशंका होने पर नागरिक घबरा जाएंगे। सरकार ने एलपीजी का भंडारण क्यों नहीं किया है? एलपीजी संकट से निपटने के लिए कोई उचित कार्य योजना क्यों नहीं है?'' उन्होंने पूछा, ''अगर लोग घर पर खाना नहीं बना पा रहे हैं, अगर रेस्तरां और छोटे भोजनालय भोजन नहीं दे पा रहे हैं, तो इसका क्या मतलब है?'' घोष ने कहा कि यह सिर्फ कमी की बात नहीं है, बल्कि ''नरेन्द्र मोदी सरकार की चौतरफा विफलता है जो अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।''

नक्सलवाद खत्म करने की समयसीमा: बलों ने आखिरी अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नक्सल रोधी अभियान ग्रिड में तैनात सुरक्षा बलों ने देश में वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए तय केंद्र सरकार की 31 मार्च की समय सीमा में एक सप्ताह से भी कम समय शेष रहने के बीच बचे हुए हथियारबंद माओवादी कैडर को खत्म करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है।

आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि केंद्र सरकार ''अभियान और घटनाक्रम' का एक खाका भी तैयार कर रही है जिसमें इन क्षेत्रों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की पांच बटालियनों को वापस बुलाने और कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की घोषणा शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की लगभग तीन से चार कोबरा इकाइयों को छत्तीसगढ़ से झारखंड भेजा जा रहा है ताकि पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगलों में विशेष अभियान चलाया जा सके। इसी तरह, सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की टीमों को छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में 'फिर से तैनात' किया जा रहा है, जिसका खास मकसद हथियारबंद माओवादी कैडरों के साथ मुठभेड़ करना या उन्हें आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करना है। सूत्रों ने संकेत दिया कि महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा को शामिल करते हुए एक सीमा-पार अभियान पर भी काम चल रहा है।

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने 337 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश किया

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 337.04 करोड़ रुपए का घाटे का बजट पेश किया। उन्होंने राज्य को मिलने वाले केंद्रीय करों के हिस्से में आई कमी पर चिंता जताई। नगालैंड के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री रियो ने बजट को समावेशी और वृद्धि उन्मुख बताया और महिला उद्यमिता, कौशल विकास, परिवहन तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में 17 नई योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल प्राप्तियां 22,507.10 करोड़ रुपए और कुल व्यय 22,127.33 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। राज्य की अपनी कर और गैर-कर आय 2,714.44 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 7,341.28 करोड़ रुपए आंकी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र से अनुदान और ऋण के रूप में सहायता 9,471.08 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। वहीं, आंतरिक ऋण 2,978.77 करोड़ रुपए और ऋण व अग्रिम की वसूली 1.53 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

महिला आरक्षण पर सरकार जल्दबाजी में क्यों, चुनाव बाद बुलाए सर्वदलीय बैठक : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को सरकार से महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के विषय पर सर्वदलीय बैठक बाद में बुलाने का आग्रह एक बार फिर किया और कहा कि जब राजनीतिक दल चुनाव में व्यस्त हैं तो फिर सरकार बहुत जल्दबाजी में क्यों नजर आ रही है।

खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को लिखे पत्र में यह भी कहा कि सरकार को 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

खरगे का पत्र केंद्रीय मंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे गए उस पत्र के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन के लिए उसमें संशोधन की योजना पर बैठक का आग्रह किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मुझे आपका पत्र अभी 26 मार्च, 2026 को मिला है। विपक्षी दलों ने पहले ही 24 मार्च 2026 को आपको पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए 29 अप्रैल, 2026 के बाद सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाए।''

खरगे ने कहा, ''मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि सरकार एक संविधान संशोधन अधिनियम को पारित करने के 30 महीने बाद इसमें और संशोधन करने की इतनी जल्दी में क्यों है। हम सभी चुनाव अभियान में बेहद व्यस्त हैं। यही कारण है कि हमने सुझाव दिया था कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद बैठक बुलाई जाए।''

उनका कहना है कि विधानसभा चुनाव के बाद बैठक करने से 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संशोधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन पर असर नहीं होगा।

खरगे ने कहा, ''दरअसल, 21 सितंबर, 2023 को राज्यसभा में चर्चा के दौरान मैंने खुद नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को तत्काल लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार मेरी मांग से सहमत नहीं थी। मैं एक बार फिर आपसे 29 अप्रैल, 2026 के बाद किसी भी समय सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध करता हूं।''

समाज पर धब्बा हैं दहेज से जुड़ी मौत की घटनाएं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दहेज के मामलों में महिलाओं की मौत की घटनाओं को समाज पर गहरा धब्बा बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कानूनी रोक के बावजूद, इस प्रथा के कारण हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती हैं।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने दहेज से जुड़ी एक मौत के मामले में एक व्यक्ति की जमानत रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि पटना उच्च न्यायालय का आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश बिल्कुल टिकाऊ नहीं है।

पीठ ने कहा कि दहेज से जुड़ी मौत जैसे बेहद गंभीर अपराध में, उच्च न्यायालय को अपने विवेक का इस्तेमाल करते समय बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए थी।

उसने कहा, ''दहेज से जुड़ी मौत के मामले वास्तव में एक गहरी शर्मिंदगी और एक बड़ी सामाजिक बुराई हैं, जो मानवाधिकारों और गरिमा का गंभीर उल्लंघन करते हैं। कानूनी रोक के बावजूद, इस प्रथा के कारण हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती है; अक्सर या तो उनकी हत्या कर दी जाती है, या फिर दूल्हे के परिवार की तरफ से पैसे या कीमती चीजों की लालच भरी मांगों के कारण उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया जाता है। दहेज से जुड़ी मौतें समाज पर गहरा धब्बा हैं।''

आरोपी की तरफ से पेश वकील ने दलील दी कि यह मामला आत्महत्या का है। वकील के अनुसार, मृतका की मानसिक हालत ठीक नहीं थी और कहा जाता है कि उसने एक इमारत की छठी मंजिल से कूदकर जान दे दी।

उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर गौर किया कि पीड़िता की शादी आरोपी से डेढ़ साल पहले हुई थी।

1 सितंबर, 2024 को महिला अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। उसके शरीर पर अंदरूनी और बाहरी, दोनों तरह की चोटों के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह सिर में लगी चोट के कारण होने वाला रक्तस्राव और सदमा बताया गया।

फरीदाबाद: कक्षा में रील या शॉर्ट वीडियो बनाने पर लगा प्रतिबंध, विद्यालयों को निर्देश

फरीदाबाद/भाषा। फरीदाबाद प्रशासन ने सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी स्कूल के समय के दौरान रील या 'शॉर्ट वीडियो' न बनाएं। प्रशासन ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी गतिविधियों से शैक्षणिक कार्य, अनुशासन या संस्थानों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

फरीदाबाद जिला शिक्षा कार्यालय ने जारी परिपत्र में कहा कि कार्यालय को इस बात की जानकारी मिली कि स्कूल परिसर में मनोरंजन के लिए 'शॉर्ट वीडियो' बनाए जा रहे हैं और विद्यालय प्रमुखों को कक्षा के समय के दौरान ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। निर्देश में इस बात पर बल दिया कि शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करने या विद्यार्थियों का ध्यान भटकाने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाई जानी चाहिए, संस्थानों की मर्यादा व गरिमा बनाए रखी जानी चाहिए और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए। हालांकि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति और शिक्षक की देखरेख में 'शैक्षणिक, सांस्कृतिक या जागरूकता संबंधी विषयों' से संबंधित सामग्री बनाई जा सकती है बशर्ते कि शैक्षणिक गतिविधियों में कोई बाधा न आए और विद्यार्थियों की सुरक्षा व गोपनीयता का ध्यान रखा जाए। निर्देश में यह भी बताया गया कि विद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की अनुचित, गैर-शैक्षणिक या प्रचार सामग्री रिकॉर्ड नहीं की जानी चाहिए।

बंगाल: दक्षिण 24 परगना में भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प, पुलिसकर्मियों पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं तथा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे कई पुलिसकर्मियों पर हमला भी किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बसंती (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के लिए प्रचार कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि सड़क किनारे जमा हुए तृणमूल समर्थकों द्वारा प्रचार अभियान की वीडियो रिकॉर्डिंग पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर आपत्ति जताई, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और तीखी बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई।

अधिकारी ने बताया, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए हस्तक्षेप किया। तभी स्थिति हिंसक हो गई तथा कुछ पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया।

सरदार ने आरोप लगाया, तृणमूल के गुंडों ने हमारे कार्यकर्ताओं पर बिना किसी उकसावे के हमला किया जबकि हम इलाके में शांतिपूर्ण ढंग से प्रचार कर रहे थे। पुलिस निष्क्रिय रही।

तृणमूल नेताओं ने हालांकि भाजपा पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया, स्थिति अब नियंत्रण में है और मामले की जांच जारी है।

भुवनेश्वर में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान लिंगराज का 'रुकुना रथ' खींचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान लिंगराज की वार्षिक 'रुकुना रथ यात्रा' में भाग लिया। अशोकाष्टमी के अवसर पर हर साल ओल्ड टाउन क्षेत्र में लिंगराज मंदिर के सामने यह रथयात्रा आोजित की जाती है।

बढ़ती गर्मी के बावजूद श्रद्धालु 11वीं शताब्दी के शिव मंदिर में रथ पर सवार भगवान की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े।

मंदिर प्रशासन ने रथ खींचने का समय पूर्वाह्न 2:30 बजे तय किया था, लेकिन लगभग 3:45 बजे इसकी शुरुआत हुई। एक पुजारी ने बताया कि कुछ ही मिनट में रथ की रस्सी टूट जाने के कारण रथयात्रा थोड़ी देर के लिए रुक गई।

इस मौके पर मौजूद कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा, दर्शन और रथ खींचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। राज्यपाल हरि बाबू कंभम्पति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरण दास ने अशोकाष्टमी के अवसर पर लोगों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री माझी ने 'एक्स' पर लिखा, अशोकाष्टमी और भगवान श्री लिंगराज की रुकुना रथ यात्रा के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भगवान श्री लिंगराज का आशीर्वाद सभी के जीवन में खुशहाली, शांति और समृद्धि लाए।

इस आईपीएल में मुझे कुछ साबित नहीं करना है : शुभमन गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उप-कप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में जब इस सलामी बल्लेबाज से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा, पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस सत्र में मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। पिछले चार साल में हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैंने एक बल्लेबाज के रूप में भी अच्छा किया है।

गिल लगातार आईपीएल में रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 650 रन, उससे पहले 426 रन और 2023 में 890 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, मुझे वही करना है जो मैं पिछले चार साल से कर रहा हूं। टीम को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर हम ऐसा करते रहे, तो निश्चित रूप से हम एक बार फिर ट्रॉफी जीतेंगे। गिल ने 2024 सत्र से हार्दिक पंड्या से कप्तानी संभाली थी। गुजरात टाइटंस ने 2022 में आईपीएल में पदार्पण के साथ ही ट्रॉफी जीतकर नाम कमाया था।

आईपीएल का दूसरे चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक चलेगा : बीसीसीआई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को आईपीएल 2026 के लीग चरण का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि टूर्नामेंट का दूसरा चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक होगा। शुरुआती चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक चलेगा और इसके कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिए गए हैं। इसका आगाज शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत से होगा। फाइनल 31 मई को बेंगलूरु में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजित सैकिया ने कहा, लीग चरण के दूसरे हिस्से में 50 मैच खेले जायेंगे। इसका आयोजन 13 अप्रैल से 24 मई 2026 तक भारत के 12 स्थलों पर होगा। इस चरण में मुकाबले बेंगलूरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के इस अहम चरण में टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी जिससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। दूसरे चरण का पहला मैच 13 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस चरण में आठ 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होंगे। पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें धर्मशाला में तीन मैच होंगे। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने चार घरेलू मुकाबले जयपुर में खेलेगी।

सुविचार

परिवार वह सुरक्षा कवच है जो आपको दुनिया की हर मुसीबत से बचाता है। इसे हमेशा प्राथमिकता दें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुतर्क के सहारे वोटबैंक की राजनीति

जमीन घोटाले के बहुचर्चित मामले में जेलयात्रा कर चुके एक मुख्यमंत्री ने हिंदू देवी-देवताओं पर जो टिप्पणी की है, वह वोटबैंक की राजनीति करने की ओछी हरकत है। कुछ कथित बुद्धिजीवी भी अक्सर सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां करते पाए जाते हैं- दुनिया में सबसे ज्यादा सरस्वती की पूजा हमारे देश में होती है, लेकिन यहां इतने निरक्षर लोग क्यों हैं? सबसे ज्यादा लक्ष्मी की पूजा हमारे देश में की जाती है, लेकिन यहां करोड़ों लोग गरीब क्यों हैं? भारत में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वे इतनी प्रदूषित क्यों हैं? गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन उसकी दुर्दशा क्यों है? आयुर्वेद को दिव्य ज्ञान कहा जाता है, लेकिन लाखों लोग बीमार क्यों हैं? अगर इन प्रश्नों में जिज्ञासा है तो इनका स्वागत है। अगर इन्हें तर्क के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तो ये कुतर्क हैं। अर्जुन महान योद्धा थे। कुरुक्षेत्र की रणभूमि में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण उनके सारथी बने थे। उन्हें गीता का ज्ञान दिया था, लेकिन युद्ध अर्जुन एवं उनके भाइयों को ही लड़ना पड़ा था। हमारे धर्मग्रंथों में ऐसे असंख्य उदाहरण मिल जाएंगे, जिनका एक ही संदेश है- विवेक एवं बुद्धिपूर्वक अपना कर्तव्य निभाएंगे तो सफलता पाएंगे। अगर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं तो बैठे ही रह जाएंगे। हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई समस्याएं सरस्वती की पूजा करने के कारण नहीं हैं। वे इसलिए हैं, क्योंकि सरकारों ने इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। जो मुख्यमंत्री सरस्वती पूजा पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने अपने राज्य में कौनसे कैंब्रिज-ऑक्सफोर्ड खोल दिए? वहां सरकारी स्कूलों की क्या स्थिति है? उन्होंने कितने न्यूटन-आइंस्टीन बना दिए?

भारत में लक्ष्मी की पूजा करने के कारण गरीबी नहीं है। दशकों से यह कहकर देश के बहुसंख्यक वर्ग की आस्था पर चोट की जा रही है कि अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी जैसे देश लक्ष्मी की पूजा नहीं करते, इसलिए समृद्ध हो गए। ये देश अपनी आर्थिक नीतियों के कारण समृद्ध हुए हैं। वहां व्यापार के अनुकूल माहौल बनाया गया, जिससे लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ। हमारे देश में सरकारों को कौन रोक रहा है? वे बेहतर नीतियां बनाएं, जनता उनका स्वागत करेगी। जो मुख्यमंत्री ऐसी नीतियां नहीं बना पाते, जो युवाओं को रोजगार नहीं दे पाते, वे कुतर्क देकर बहाने बनाते हैं। भारत में नदियों को माता का दर्जा दिए जाने के बावजूद वे इसलिए प्रदूषित हैं, क्योंकि उन्हें साफ रखने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं हुए। प्रकृति ने बहुत सुंदर व्यवस्था की है- नदियों में गंदगी डालना बंद कर दें, वे अपनेआप साफ हो जाएंगी। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान नदियां साफ हो गई थीं। विदेशों में जहां नदियां बहुत साफ हैं, वहां कानूनों का खूब सख्ती से पालन किया जाता है। लोगों में जागरूकता भी है। अगर यही भारत में होने लगे तो नदियों की हालत में सुधार आ सकता है। इसके लिए नेतागण मुहिम चलाएं। नदियों के साथ तालाबों, बावड़ियों, जलाशयों की सफाई कराएं। जनता भी इसमें साथ देगी। गाय को माता का दर्जा देने के बावजूद उसकी दशा ठीक न होने के पीछे कई कारण हैं। लोग गौमाता के जयकारे तो बहुत लगाते हैं, जो अच्छी बात है, लेकिन जब दूध लेने की बारी आती है तो भैंस को प्राथमिकता देते हैं। खेती में रासायनिक खाद और ट्रैक्टरों के इस्तेमाल ने गौवंश की जरूरत सीमित कर दी है। सरकारें गोबर, गौमूत्र से खाद एवं कीटनाशक बनाने के कारखाने खोलें, गोबर गैस को बढ़ावा दें। जनता गाय का दूध खरीदे। फिर देखिए, गौवंश के अच्छे दिन आ जाएंगे। निस्संदेह आयुर्वेद दिव्य ज्ञान है। यह मनुष्य को प्रकृति के अनुकूल दिनचर्या रखने के साथ स्वस्थ जीवन के तरीके सिखाता है। जो लोग आयुर्वेद के अनुसार जीवन जीते हैं, वे काफी स्वस्थ रहते हैं। प्रकृति के विरुद्ध दिनचर्या एवं खानपान से रोग पैदा होते हैं। अगर हमारे ऋषियों का यह ज्ञान उपलब्ध होने के बावजूद लोग इसमें रुचि नहीं रखते, प्रकृति के विरुद्ध जीवन जीते हैं तो इसके लिए आयुर्वेद जिम्मेदार नहीं है।

ट्वीटर टॉक

बागेश्वर धाम में पावन उपस्थित होकर बालाजी सरकार के दर्शन किए तथा पूज्य आचार्य धीरेंद्र शास्त्री जी से स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान लगभग 700 मीटर लंबी परिक्रमा भी की। धाम की दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा और अद्भुत वातावरण ने इस यात्रा को सचमुच अविस्मरणीय बना दिया।

–वसुंधरा राजे

हिंदी साहित्य में छायावादी युग की प्रमुख स्तंभ, महान कवयित्री, 'पद्म विभूषण' महादेवी वर्मा जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। आपकी कालजयी रचनाएं सदैव साहित्य जगत की समृद्धि का आधार रहेंगी।

–अर्जुनराम मेघवाल

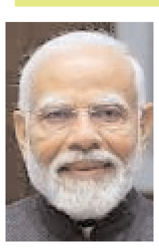

मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

–नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्र के लिए त्याग

घटना अमेरिकी स्वतंत्रता के दिनों की है। ब्रिटिश सेना ने बोस्टन नगर अमेरिकियों से अपने अधिकार में ले लिया था। अंग्रेजी सेना नगर में बंद थी। सेना के लिए रसद का संकट खड़ा हो गया था। अमेरिकी सेनापति वाशिंगटन ने अमेरिकी कांग्रेस के सम्मुख संदेश भिजवाकर प्रस्ताव किया कि ब्रिटिश सेना को बाहर करने के लिए बोस्टन नगर पर बमबारी की जाए। इस प्रस्ताव का सन्देश पाकर कांग्रेस के सभी सदस्य असमंजस में पड़ गये। सदन के अध्यक्ष सर जॉन हैनकाफ की समस्त संपत्ति बोस्टन में ही थी और बमबारी से वह नष्ट हो सकती थी। सर जॉन हैनकाफ ने इस असमंजस को तत्काल भांप लिया। वे तत्क्षण अपने आसन से उठे और सदस्यों को संबोधित करते हुए बोले, 'यह सच है कि मेरी तमाम संपत्ति बोस्टन में है। लेकिन यदि ब्रिटिश सेना को खदेड़ने के लिए यह आवश्यक समझा जाए कि बोस्टन को बमों से धवस्त कर देना चाहिए। इसके लिए जरूरी आदेश तत्काल जारी कर दीजिए। इससे मुझे किसी प्रकार का दुख नहीं होगा। अपितु हर्ष होगा, क्योंकि देश की स्वतंत्रता से मूल्यवान कोई वस्तु अथवा संपत्ति कदापि नहीं हो सकती।'

सामयिक

श्रीरामनवमी : आत्मशुद्धि और आदर्श जीवन की ओर एक कदम

महेन्द्र तिवारी

रामनवमी एक जीवन दर्शन है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का आह्वान करती है। यह हमें विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य सत्य के मार्ग पर अडिग रहता है, तो अंततः विजय उसी की होती है।

भारतीय संस्कृति की विशालता और उसकी गहराई का अनुमान उन पर्वों से लगाया जा सकता है जो न केवल कैलेंडर की तिथियों को परिभाषित करते हैं, बल्कि जनमानस के हृदय में नैतिकता और धर्म के बीज बोते हैं। इन्हीं पर्वों में रामनवमी का स्थान अत्यंत गरिमामयी और पवित्र है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह उस मर्यादा और आदर्श का उत्सव है जिसने युगों-युगों से मानवता को दिशा दी है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, इसी पावन तिथि पर अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के आंगन में भगवान विष्णु ने अपने सातवें अवतार, श्री राम के रूप में जन्म लिया था। उनके जन्म का मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर बढ़ते हुए अधर्म का विनाश करना और एक ऐसी व्यवस्था की स्थापना करना था जहाँ सत्य, न्याय और करुणा सर्वोपरि हों। रामनवमी का पर्व वसंत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म के आगमन की संधि पर आता है, जो प्रकृति में भी एक नए उत्साह और ऊर्जा का संचार करता है।

भगवान राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है, जिसका अर्थ है वह पुरुष जो मर्यादाओं में श्रेष्ठ हो। उनका संपूर्ण जीवन एक खुली पुस्तक की भांति है, जो हमें सिखाता है कि शक्ति का सदुपयोग और पद की गरिमा कैसे बनी रहनी चाहिए। रामनवमी पर जब हम उनके जन्म की कथा पढ़ते हैं, तो हमें बोध होता है कि वे केवल एक राजा नहीं, बल्कि एक पुत्र के रूप में आज्ञाकारिता, एक भाई के रूप में निस्वार्थ प्रेम, एक पति के रूप में अटूट निष्ठा और एक राजा के रूप में प्रजा के प्रति समर्पण के शिखर थे। उनके जीवन का हर प्रसंग, चाहे वह पिता के वचनों को निभाने के लिए राजमहल का त्याग कर चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार करना हो, या शबरी के झूठे बेर खाकर सामाजिक समरसता का संदेश देना हो, हमें आत्मिक शुद्धता की ओर ले जाता है। रामनवमी का दिन हमें इसी आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों के एक अंश को भी उतार पा रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में जब रावण के अत्याचारों से ऋषि-मुनि और देवगण त्राहि-त्राहि कर रहे थे, तब धर्म की रक्षा हेतु भगवान ने नर रूप धारण किया। रामनवमी का पर्व इसी दैवीय संकल्प की पूर्ति का दिन है। यह पर्व चैत्र नवरात्रि के समापन का भी प्रतीक है। नौ दिनों तक शक्ति की उपासना के बाद नवमी के दिन राम का प्राकट्य इस बात का संकेत है कि शक्ति जब मर्यादा और धर्म के साथ मिलती है, तभी कल्याणकारी 'रामराज्य' की स्थापना होती है। रामराज्य की परिकल्पना आज भी विश्व के लिए एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण है, जहाँ कोई दुखी नहीं था, कोई दरिद्र नहीं था और समाज का हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग था। रामनवमी हमें यह स्मरण कराती है कि शासन और समाज का आधार केवल दंड या भय नहीं, बल्कि प्रेम और न्याय होना चाहिए।

रामनवमी के दिन भारतीय घरों और मंदिरों में एक अद्भुत वातावरण होता है। ब्रह्ममुहूर्त में स्नान और ध्यान के बाद भक्तगण व्रत का संकल्प लेते हैं। इस दिन रामायण और रामचरितमानस का अखंड पाठ विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। तुलसीदास जी की पंक्तियाँ जब घरों में गूँजती हैं, तो वातावरण में एक विशेष प्रकार की सात्विकता का समावेश हो जाता है। भगवान राम का जन्म दोपहर के ठीक बारह बजे माना जाता है, जिसे 'मध्याह्न' काल कहा जाता है। इस समय मंदिरों में शंख और घंटों की ध्वनि के बीच 'भये प्रगट कृपाला, दीनदयाला' की स्तुति की जाती है। शिशु राम को पालने में झुलाया जाता है और भक्तजन भाव-विभोर होकर उनके स्वागत में भजन गाते हैं। यह दृश्य भक्ति और श्रद्धा की पराकाष्ठा होता है, जहाँ भक्त अपने आराध्य के साथ एक अनूठा संबंध महसूस करता है।

भारत की सांस्कृतिक विविधता रामनवमी के आयोजन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उत्तर भारत में अयोध्या इस उत्सव का मुख्य केंद्र होती है, जहाँ सरयू नदी के तट पर लाखों श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। अयोध्या की गलियों में निकलने वाली शोभायात्राएं और झांकियां रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत कर देती हैं। वहीं दक्षिण भारत में, विशेष रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में, इस दिन को भगवान राम और माता सीता के विवाह के उत्सव (सीताराम कल्याणम) के रूप में भी मनाया जाता है। वहाँ के मंदिरों में भव्य विवाह अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जो दांपत्य जीवन की पवित्रता का संदेश देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी के मेलों का अपना अलग ही आकर्षण होता है, जहाँ लोक कलाकार रामलीला के माध्यम से भगवान की लीलाओं का मंचन करते हैं। यह विविधता दर्शाती है कि राम उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरे भारत की आत्मा में बसे हुए हैं।

आधुनिक युग में जहाँ नैतिकता और मानवीय मूल्यों का ह्रास एक बड़ी चुनौती बन गया है, वहाँ रामनवमी की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। आज का मनुष्य भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों को भूलता जा रहा है। ऐसे समय में राम का चरित्र हमें यह याद दिलाता है कि सुख केवल सुविधाओं में नहीं, बल्कि त्याग और सेवा में है। राम ने अपने अधिकारों के लिए कभी युद्ध नहीं किया, बल्कि उन्होंने अपने कर्तव्यों की पूर्ति के लिए हर संघर्ष को सहर्ष स्वीकार किया। रामनवमी केवल मूर्ति पूजा का दिन नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के 'रावण' यानी ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को समाप्त करने का संकल्प लेने का दिन है। यदि हम अपने हृदय में राम के आदर्शों को स्थापित कर सकें, तो वही इस पर्व की सच्ची सार्थकता होगी। अंततः, रामनवमी एक जीवन दर्शन है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का आह्वान करती है। यह हमें विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य सत्य के मार्ग पर अडिग रहता है, तो अंततः विजय उसी की होती है। श्री राम का नाम और उनके गुणगान में वह शक्ति है जो मन को शांति और आत्मा को बल प्रदान करती है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम न केवल राम के भक्त बनेंगे, बल्कि उनके बताए मार्ग के पथिक भी बनेंगे। जब हमारे विचारों में शुद्धता, वाणी में मधुरता और कर्मों में मर्यादा होगी, तभी हमारे जीवन में वास्तविक 'राम' का जन्म होगा। यह पर्व हमें हर वर्ष इसी आशा और विश्वास के साथ नई ऊर्जा प्रदान करता है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ प्रत्येक व्यक्ति 'राम' के समान आदर्शवादी और न्यायप्रिय हो सके। यही रामनवमी का शाश्वत संदेश है और यही इसकी सार्वभौमिक प्रासंगिकता है।

नजरिया

ईरान बातचीत से इन्कार कर रहा है लेकिन संभव है पर्दे के पीछे कुछ संपर्क हुआ हो। सूचना है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की है। पाकिस्तान की हैसियत किसी मामले में प्रभावकारी भूमिका निभाने की नहीं हो सकती है। पाकिस्तान ईरान को मना लेगा यह सोचना ही हास्यास्पद है। मुख्य बात है कि आखिर अमेरिकी हमले का लक्ष्य क्या था? पहला, अयातुल्लाह अलखामेनेई सहित शीर्ष नेतृत्व को समाप्त करना। इसमें काफी हद तक सफलता मिली। दूसरा, सैन्य और आर्थिक ष्टि से कमर तोड़ना।

ईरान पर ट्रंप की घोषणा को कैसे लें?

अवधेश कुमार

ईरान से जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रूथ सोशल पर तत्काल हमले रोकने और बातचीत के पोस्ट से दुनिया में हलचल मच गई। ट्रंप का पोस्ट सामने आने के साथ ईरान का किसी प्रकार की बातचीत से इनकार करने का बयान कई प्रश्न खड़ा करता है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में, अमेरिका और ईरान देश के बीच, मध्यपूर्व में हमारी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के बारे में बहुत अच्छी और काम की बातचीत हुई है। इन गहरी, विस्तृत और रचनात्मक बातचीत के अंदाज और लहजे के आधार पर – जो पूरे हफ्ते जारी रहेंगी – मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी तरह के सैन्य हमले को पांच दिनों के लिए टाल दें। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चल रही बैठकें और बातचीत कितनी सफल रहती हैं। इस तरह के पोस्ट से सहसा यह संदेश जाएगा ही कि अमेरिका ने युद्ध रोक दिया है और बातचीत इस अवस्था में पहुंची है कि युद्धविराम हो जाएगा। किंतु यह पोस्ट ही बहुत कुछ कहता है। पोस्ट के बावजूद अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले हो रहे हैं और दोनों लड़ रहे हैं।

इस पोस्ट में युद्धविराम शब्द का उल्लेख नहीं है। ध्यान रखिए, ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दिया था कि वह हार्मूज जलडमरूमध्य को मुक्त करे अन्यथा 48 घंटे बाद उसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले होंगे। इसे ही उन्होंने इस पोस्ट के जरिए 5 दिन आगे बढ़ाया। इसमें अगले 5 दिन केवल बिजली व ऊर्जा प्रतिष्ठान पर हमले न करने की बात है। दूसरे, इसमें मध्यपूर्व में दुश्मनी खत्म करने पर बातचीत का अर्थ व्यापक है। मध्य पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इजरायल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं बताने की आवश्यकता नहीं। 19%9 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इजरायल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या येरूसलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा? ट्रंप प्रशासन की ओर से दिया गया 15 सूत्री प्रस्ताव इसी की पुष्टि करता है। इसे स्वीकार करने का मतलब होगा ईरान इजरायल केंद्रित अपने सभी गतिविधियां समाप्त करेगा तथा न्यूक्लियर कार्यक्रम एवं सैन्य शक्ति के लिए अमेरिका की इच्छा अनुसार ही आगे काम कर पाएगा।

ऐसा करने का मतलब इस्लामी देश के रूप में ईरान को विसर्जित करना होगा। इजरायल को मान्यता दिलाने के लिए ट्रंप ने पहले कार्यकाल में अब्राह्मिक समझौता का प्रारूप लाया था जिसे कुछ अरब देशों ने स्वीकार किया है। ईरान का इस्लामी शासन इसे स्वीकारने को तैयार नहीं रहा है।

कुछ विश्लेषकों का मत है कि ट्रंप पर आंतरिक दबाव है क्योंकि युद्ध के खर्चे से अर्थव्यवस्था पर उल्टा प्रभाव हो रहा है। चूंकि युद्ध संपूर्ण विश्व को दुष्प्रभावित कर रहा है इसलिए अधिकतर देश इसका अंत चाहते हैं। अमेरिका में लोगों को संदेह है कि ट्रंप आगे कर लगाएंगे और महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की मांग की है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह युद्ध के लिए नहीं, पहले से प्रस्तावित है और पूरक है। युद्ध का व्यय है और यह सामान्य नहीं हो सकता। लेकिन दबाव अमेरिका पर होगा और ईरान पर नहीं यह तर्क हास्यास्पद है। डेढ़ दशक से ज्यादा के प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। हमलों के पूर्व ईरान की ध्वस्त अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई ने शासन के विरुद्ध असंतोष को इतना बढ़ा दिया था कि भारी संख्या में लोग सड़कों पर उतर कर सत्ता बदलने की मांग कर रहे थे। इनको अयातुल्लाह के आदेश से निर्ममता से कुचला गया था। इस युद्ध ने उसकी आर्थिक दुर्दशा को कितना बढ़ा दिया है इसकी कल्पना कर सकते हैं । इसलिए ईरान दबाव मुक्त होकर लंबे समय तक युद्ध करता रहेगा ऐसा निष्कर्ष उनका होगा जो यथार्थ को नहीं समझते या समझकर भी अनदेखी करते हैं ।

युद्ध के कुछ समय तक ट्रंप अकेले पड़े थे । ट्रंप के पोस्ट के पहले कुछ स्थितियां भी बदलीं। उन्होंने नाटो के साथ जापान, चीन आदि देशों से हौर्मूज को खुलवाने में आगे आने की अपील किया था। पहले इसमें आनाकानी थी, पर 22 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ईरान को चेतावनी दिया कि वह हौर्मूज में जहाजों का मुक्त आवागमन कायम करें। साफ कहा गया है कि सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 के अंतर्गत समुद्र में स्वतंत्र नेविगेशन अधिकार है। इस चेतावनी का मतलब ईरान ऐसा नहीं करता तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी । इन 22 देशों में फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया आदि शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन को छोड़ कोई युद्ध में ट्रंप के साथ नहीं था। 22 में अरब के केवल दो प्रमुख देश सऊदी अरब और बहरीन हैं। इसके पहले 12 इस्लामी देशों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में बैठक कर संयुक्त बयान जारी किया जिसमें ईरान द्वारा इस्लामी देशों पर हमले रोकने को कहा। तो यह कहना कि अमेरिका पर दबाव है और ईरान पर नहीं यह ग़लत है। इस्लामी देशों के साथ 22 देशों का बयान ईरान को ही कठघरे में खड़ा करता है। दोनों बयानों में अमेरिका या इजरायल के लिए आलोचना का एक शब्द नहीं है। ईरान हौर्मूज और पड़ोसी देशों पर हमले को लेकर अकेला पड़ चुका है। उसके सर्वोच्च नेताओं की बड़ी संख्या मारी जा चुकी है। यह स्थिति न अमेरिका की है और न इजरायल की।

वैसे डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी नहीं बताया कि किस ईरानी नेता से बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि वार्ताकार एक 'शीर्ष व्यक्ति' हैं, जो उस देश में 'सबसे सम्मानित' हैं। ट्रंप ने कहा, 'कभी-कभार आपको (मोजतबा खामेनेई की ओर से) कोई बयान देखने को मिलेगा, लेकिन हमें नहीं पता कि वह जीवित हैं या नहीं।'' उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरानी नेतृत्व का सफाया कर दिया है। उन्होंने पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का नाम वार्ताकार के रूप में लिया।

ईरान बातचीत से इन्कार कर रहा है लेकिन संभव है पर्दे के पीछे कुछ संपर्क हुआ हो। सूचना है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की है। पाकिस्तान की हैसियत किसी मामले में प्रभावकारी भूमिका निभाने की नहीं हो सकती है। पाकिस्तान ईरान को मना लेगा यह सोचना ही हास्यास्पद है। मुख्य बात है कि आखिर अमेरिकी हमले का लक्ष्या क्या था? पहला, अयातुल्लाह अलखामेनेई सहित शीर्ष नेतृत्व को समाप्त करना। इसमें काफी हद तक सफलता मिली। दूसरा, सैन्य और आर्थिक दृष्टि से कमर तोड़ना। ईरान की सैन्य शक्ति उससे ज्यादा है जितना आकलन किया गया था। तो इस लक्ष्य की प्राप्ति अभी कठिन है किंतु आंशिक रूप से हुई है। तीसरा लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करना था जो अभी संभव नहीं दिख रहा। इस्लाम के लिए जीने मरने की भावना इसकी शक्ति है। ईरान ने इस्लामी शासन को भी शीर्ष से नीचे तक इतनी परिधियों में निर्मित किया है कि उनका ध्वस्त हो जाना अत्यंत कठिन है। अमेरिका तथा इजरायल अभी इस लक्ष्य की ओर शायद ही बढ़ें। किंतु वे सत्ता को इतना दुर्बल अवश्य बनना चाहेंगे ताकि आंतरिक विद्रोह के कारण परिवर्तन की संभावना सशक्त हो और उसमें उनकी भूमिका हो। इसे समझने वालों का निष्कर्ष यही होगा कि ट्रंप के पोस्ट को एकाएक युद्ध रोकने के रूप में नहीं लिया जाए। संभव है उनकी रणनीति हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन की अदालत का नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। लंदन उच्च न्यायालय ने भारत सरकार द्वारा अपने 'नोट वर्बल' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हुए भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने की याचिका को खारिज कर दिया। 'नोट वर्बल' एक औपचारिक, बिना हस्ताक्षर वाला राजनयिक संदेश होता है जो आमतौर पर दूतावासों और विदेश मंत्रालयों के बीच सूचना, अनुरोध या विरोध व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।

पंजाब नेशनल बैंक से 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में वांछित मोदी ने भगोड़े आर्थिक अपराधी संजय भंडारी के मामले में आए फैसले के आधार पर अपने मामले को फिर से खोलने के लिए लंदन की अदालत से संपर्क किया था। भारतीय एजेंसियों द्वारा यातना दिए जाने की आशंका के मद्देनजर भंडारी के प्रत्यर्पण को रद्द कर दिया गया था। लंदन उच्च न्यायालय ने मानवाधिकार के आधार पर भंडारी को प्रत्यर्पण आदेश से मुक्त कर दिया था।

मोदी के मामले को दोबारा खोलने की अनुमति देने से इनकार करते हुए लंदन उच्च न्यायालय के किंग्स बेंच डिवीजन में लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ ने कहा कि वे भारत सरकार द्वारा अपने 'नोट वर्बल' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हैं। ब्रिटेन की अदालत ने अपने फैसले में कहा, जब मोदी का मामला 2022 में हमारे सामने आया तो भंडारी मामले में दिए गए फैसले के आधारभूत तथ्य या तो उपलब्ध नहीं थे या हमारी जानकारी में नहीं लाए गए थे। भंडारी मामले में इस अदालत का फैसला प्रतिबंधित उपचारों के इस्तेमाल से इकबालिया बयान हासिल करने की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करता है।

अदालत ने कहा, सितंबर 2025 और फरवरी 2026 के बीच भारत सरकार द्वारा दिए गए बयानों और आश्वासनों को हम काफी महत्व देते हैं। ये बयान और आश्वासन बाद में 'नोट वर्बल' में परिणत हुए। अगर ऐसा नहीं होता तो हम असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए इस अपील को फिर से खोलने पर विचार करते। पीठ ने इस दलील को खारिज कर दिया कि मुंबई में जेल से अधीनस्थ अदालत तक के मार्ग में उन्हें यातना या अन्य दुर्व्यवहार का सामना करने का खतरा है। अदालत ने कहा कि उसने भारत सरकार के आश्वासनों पर बहुत सावधानीपूर्वक विचार किया है। जांच अधिकारियों समेत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों का एक दल सुनवाई के लिए लंदन गया था।

सीबीआई प्रवक्ता ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा, भंडारी के मामले में फैसले के आधार पर पुन: सुनवाई के लिए आवेदन दायर किया गया था। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। उन्होंने कहा, सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसकी कार्यवाही 2018 से जारी है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन की अदालतों ने 2019 में मोदी की गिरफ्तारी के बाद उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी और उनकी पिछली अपील को खारिज कर दिया क्योंकि अदालतों ने कोई कानूनी बाधा नहीं पाई और भारत में उनके साथ उचित व्यवहार के आश्वासनों को स्वीकार किया।

प्रचार

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार, 26 मार्च, 2026 को कोल्लम में केरल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार बिंदु कृष्णा के लिए चुनाव प्रचार किया।

मोनालिसा के बयान पर डायरेक्टर सनोज मिश्रा का जवाब, बोले- 'यह उनका आखिरी वीडियो हो सकता है'

मुंबई/एजेन्सी

प्रयागराज के महाकुंभ से रातोंरात सेंसेशन बनीं मोनालिसा, फरमान खान से शादी के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। मोनालिसा को पहली फिल्म देने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने दोनों की शादी को लव जिहाद बताया था, जिस पर पलटवार करते हुए मोनालिसा ने डायरेक्टर पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए। मोनालिसा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि फिल्म के बहाने डायरेक्टर ने उन्हें गलत तरीके से छूआ था। अब डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब दिया है। उनका कहना है कि यह उनका आखिरी वीडियो भी हो सकता है। 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने वीडियो जारी कर बताया कि उनकी और उनके पूरे परिवार की जान खतरे में है क्योंकि धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से जेहादी और केरल की ईसाई मिशनरी ने उनके खिलाफ साजिश करनी शुरू कर दी है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा, मोनालिसा को मैंने हमेशा अपनी बहन और बेटी की तरह माना, और मैंने पहले ही साफ कर दिया था, उसे मेरे खिलाफ खड़ा करने की साजिश हो रही है। जो कुछ मोनालिसा बोल रही है, वो उसके नहीं, जेहादियों के शब्द हैं, जिन्होंने उसका ब्रेनवॉश कर दिया है।

डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने कहा, जेहादी और केरल की ईसाई मिशनरी मेरे खिलाफ साजिश कर रही हैं और अगर मेरे साथ या मेरे परिवार के साथ कुछ होता है, तो हमारा सपोर्ट कीजिएगा। उन्होंने कहा कि वे धर्मांतरण और जेहादियों के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई को नहीं रोकेंगे। उन्होंने बताया कि मोनालिसा का ब्रेन वॉश करके उसे पहले केरल ले जाया जाता है और बिना किसी की जानकारी के शादी हो जाती है और शादी को सपोर्ट करने के लिए केरल के बड़े नेता और मंत्री सामने आ रहे हैं। यह सिर्फ सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है और शादी को खुलकर प्रमोट कर रहे हैं, जिससे और ऐसी शादियों को अंजाम दिया जा सकते। बता दें कि सनोज मिश्रा ने मोनालिसा को महाकुंभ के मेले से मायानगरी में लाकर अभिनेत्री बना दिया था, हालांकि फिल्म अभी तक रिलीज नहीं हुई है। डायरेक्टर ने मोनालिसा पर आरोप लगाया कि फिल्म बनाने में 10 करोड़ रुपए का खर्चा आया है और उन्होंने बिना जानकारी के दूसरे धर्म में शादी कर ली।

'मिथ्यासुर' और 'जे जनलागुलोर आकाश छिलो' नाटकों ने जीता मेटा-2026 पुरस्कार

नयी दिल्ली। महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स (मेटा) के 21वें संस्करण में नाटक 'जे जनलागुलोर आकाश छिलो' और 'मिथ्यासुर' को क्रमश: सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ निर्माण श्रेणी में पुरस्कार दिया गया। यहां कमानी सभागार में बुधवार को आयोजित पुरस्कार समारोह के साथ एक सप्ताह तक चलने वाले थिएटर महोत्सव का समापन हुआ, जिसमें निर्देशन, निर्माण, मंच डिजाइन, कोरियोग्राफी और वेशभूषा डिजाइन सहित 13 श्रेणियों में 10 प्रस्तुतियों ने प्रतिस्पर्धा की। सौरव पलोधी द्वारा निर्देशित 'जे जनलागुलोर आकाश छिलो' को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, कलाकार समूह और मंच डिजाइन के लिए पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री का पुरस्कार संयुक्त रूप से 'जे जनलागुलोर आकाश छिलो' के लिए टुर्ना दास और 'समथिंग लाइक ट्रुथ' के लिए दुशा को दिया गया।

अजीत सिंह पल्लवत द्वारा निर्देशित और उजागर ड्रामेटिक एसोसिएशन द्वारा निर्मित नाटक 'मिथ्यासुर' ने सर्वश्रेष्ठ निर्माण और सहायक अभिनेता श्रेणी में पुरस्कार जीता, जिसमें साहिल आहूजा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। नाटक के पटकथा लेखक प्रणय पांडे ने 'धोमी किथा किथा धोमी' की पटकथा लिखने वाले ओ टी शाहजहां के साथ सर्वश्रेष्ठ मौलिक पटकथा का पुरस्कार साझा किया। महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स (मेटा) के 21वें संस्करण में प्रस्तुत 10 नाट्य-प्रस्तुतियों ने पौराणिक कथाओं, राजनीति, सक्रियता (एक्टिविज़्म), सामाजिक बुराइयों और विचारधाराओं जैसे विषयों को दर्शाया। नाट्य महोत्सव का आयोजन महिंद्रा ग्रुप द्वारा टीमवर्क्स आर्ट्स द्वारा किया जाता है।

विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार मिलकर बनाएंगे 'ऑपरेशन सिंदूर'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार ने नए प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। दरअसल, दोनों मिलकर टेरर अटैक-बेस्ड फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' लेकर आ रहे हैं। दोनों की यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब से प्रेरित है। विवेक अग्निहोत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस बात की पुष्टि करते हुए लंबा-चौड़ा नोट पोस्ट करते हुए बताया कि उनकी यह फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब 'ऑपरेशन सिंदूर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर आधारित है विवेक अपने नोट पर लिखते हैं, भूषण कुमार और मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हाथ मिलाया है। यह वह कहानी है, जिसने पूरे उपमहाद्वीप की सुरक्षा की परिभाषा ही बदल दी और पाकिस्तानी के परमाणु झूठ को बेनकाब किया है। उन्होंने कहा, यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडिया डीप स्ट्राइक इनसाइड पाकिस्तान पर आधारिक है। निर्देशक ने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि फिल्म का मकसद उन सच्ची घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाना है जो भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में अहम रोल निभाती हैं। निर्देशक ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बनी है बल्कि हकीकत को लोगों तक पहुंचाने के लिए है।

निर्देशक ने लिखा, फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित है और इसके लिए भारतीय सशस्त्र बलों के कई हिस्सों के साथ मिलकर गहन रिसर्च की गई है। यह कहानी वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। शोर मचाने के लिए नहीं बल्कि सच्चाई को सामने लाने के लिए: तथ्यों, स्पष्टता और सिनेमा के जादू के साथ। विवेक रंजन अग्निहोत्री का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के जरिए होगा। हालांकि, फिल्म को लेकर बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। विवेक रंजन अग्निहोत्री इससे पहले भी गंभीर मुद्दों पर कई फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। वह 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म के जरिए कश्मीरी पंडितों के दर्द को सामने ला चुके हैं। वहीं, 'द बंगाल फाइल्स' के जरिए पश्चिम बंगाल में हिंदू नरसंहार की स्थिति को भी सामने ला चुके हैं।

अक्षय कुमार ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।

अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।अक्षय ने कहा, मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे।

अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है। साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

जसलीन कौर के किरदार में परी पंधेर का जादू, छोटी सी भूमिका में छोड़ी गहरी छाप

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने साल 2025 में रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी, तो वहीं दूसरे पार्ट ने रिलीज होते ही हर किसी को चौंका दिया। धुरंधर में जहां सारा ने डेब्यू कर हर किसी को दीवाना बना दिया था, तो 'धुरंधर: द रिवेंज' में पंजाबी सिंगर और अभिनेत्री परी पंधेर ने अपनी सादगी से हर किसी के दिलों को जीता है। फिल्म में परी का छोटा-सा लेकिन प्रभावशाली रोल रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म में जसकिरत सिंह रंगी (रणवीर सिंह) की बहन जसलीन कौर रंगी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में परी का किरदार बहुत भावुक और असरदार रहा और उनकी एक्टिंग ने सभी पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने अपने किरदार को इतनी गहराई दी, जिससे जसकीरत की शुरुआती जिंदगी अच्छे से दिखाई गई। फिल्म में पंजाब का रंग भी साफ झलकता है। रणवीर सिंह, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए परी का यह डेब्यू काफी प्रभावशाली रहा है। वह 2026 की नई उभरती प्रतिभाओं में शुमार हो गई हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर सबका शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने सेट से कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जब आदित्य धर सर की टीम से 'धुरंधर' के लिए फोन आया, तो सबसे पहले पूछा गया कि आपके लिए कितनी गाड़ियां भेजें और कहां भेजें? उस पल सब कुछ सपना लग रहा था।

उन्होंने लिखा, उस दौरान मैं अपने मेंटर और भाई बंटी बेंस के साथ बैठी थी और हम दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। हम इतने उत्साहित थे कि गाड़ी का इंतजार करने की बजाय अपनी कार में बैठकर सीधे शूटिंग लोकेशन के लिए निकल पड़े। उस सफर के हर पल में शुक्रिया, सपने और खुशी भरी हुई थी।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, कुछ सफर सिर्फ मंजिल तक पहुंचने के लिए नहीं होते। वे यह एहसास दिलाते हैं कि आप वाकई उसी के लिए बने हैं। उस दिन मुझे लगा कि कुछ बहुत खूबसूरत शुरू होने वाला है। ऐसे पलों के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

'बादशाह' की सवारी करेंगी सौम्या टंडन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी। सौम्या ने लिखा, पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था।

मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम 'बादशाह' है। सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं। अंत में सौम्या ने लिखा, फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।

'द टेरर रिपोर्ट' लेकर आ रहीं एकता कपूर, विष्णु वर्धन करेंगे निर्देशन

मुंबई/एजेन्सी

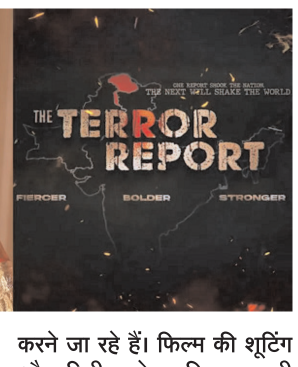

साल 2002 के गोधरा कांड पर आधारित फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता के बाद निर्माता एकता कपूर नई फिल्म लेकर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने एक बड़ी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'द टेरर रिपोर्ट' बनाने के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म का निर्देशन 'शेरशाह' फेम विष्णु वर्धन करेंगे। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत पर हुए आतंकी हमलों के साथ ही देश की ओर से दिए गए कड़े जवाबी हमलों को भी बड़े दिखाएगी।

'द साबरमती रिपोर्ट' की अगली कड़ी के रूप में यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से पेश करेगी। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच की पेचीदगियां, खुफिया अभियान और हालिया सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा। इस अनोखे सहयोग में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत और विष्णु वर्धन की शानदार निर्देशन शैली एक साथ नजर आएगी। निर्माताओं में एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं।

फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ मनोरंजन करेगा, बल्कि देश की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में दर्शकों को जागरूक भी करेगा। विष्णु वर्धन ने पहले 'शेरशाह' जैसी फिल्म से राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोरी है। अब 'द टेरर रिपोर्ट' के जरिए वे एक बार फिर वास्तविक घटनाओं पर आधारित शक्तिशाली कहानी पेश करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है। वहीं, विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर 'द साबरमती रिपोर्ट' साल 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म विवादास्पद रही और रिलीज के बाद कई राज्यों में टैक्स-फ्री घोषित की गई। टैक्स फ्री करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और ओडिशा शामिल हैं। इन राज्यों की सरकारों ने फिल्म को सामाजिक संदेश वाली फिल्म मानते हुए एंटरटेनमेंट टैक्स माफ किया।

सहयोग राशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अलसूर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन युवक संघ तथा नवकार बहू मंडल के सदस्यों ने स्वस्फूर्त प्रेरणा से गौमाता के चारे के लिए एकत्रित किए गए तीन लाख इक्कीस हजार रुपयों की सहयोग राशि की थैली हेन्नूर के श्रीकृष्ण गौशाला के संचालक पुखराज महाराज को समर्पित की। गत दिनों गौशाला में आकस्मिक घटना में गौमाता के लिए रखा चारा जल गया था, गायों के सहयोगार्थ क्षेत्र के दानदाताओं ने स्वेच्छा से सहयोग राशि प्रदान की। पुखराजजी ने अलसूर संघ की सेवा भावना की अनुमोदना की। इस अवसर पर जैन युवक संघ अलसूर के अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा के साथ अन्य सदस्य व श्रावक संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया आदि उपस्थित थे।

धर्म, शांति और स्वरक्षा के नाम पर आज चारों ओर अधर्म का बोलबाला है: आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में गुरुवार को मरुधर शांति भवन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अरिहंत व सिद्धत्व की साधना मोह और अज्ञान से मुक्त होने के लिए है। भगवान की पूजा-अर्चना, उनके मंत्रजाप अथवा उनके ध्यान से जीवन में सम्यग्ज्ञान और सात्विक भावनाओं की परिणति होनी चाहिए, तभी आराधना-उपासना सार्थक मानी जा सकती है। अरिहंत व सिद्ध तत्व की पूजा उनको दिखाने या खुश करने के लिए नहीं होती, वह तो अपने दोषों को दूर करने और गुणवान बनने के लिए होती है। गुणवान आत्माओं की पूजा से जीवन में गुण आते हैं। ज्ञानियों की संगति से जीवन ज्ञानवान बनता है। अज्ञान से मुक्त हुए बिना जीवन का कल्याण नहीं होता। भगवान महावीरस्वामी ने आचारांग सूत्र में इस बात को मार्मिक रूप से प्रस्तुत किया है।हम सब प्रतिपल दुःखों का रोना रोते हैं, पर अज्ञान से मुक्त बनने के अल्प प्रयास भी नहीं करते। दूसरों को दुःख देकर सुख पाने की अभिलाषा घोर अज्ञानता नहीं तो और क्या है ? जैनाचार्य ने अनेक मर्मस्पर्शी बातें प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि अहिंसा, क्षमा, सद्भावना, शांति, सौम्यता, सहयोग, मैत्री भावना आदि साधना के प्राणतत्व हैं। इनके बगैर की जाने वाली सारी धर्म आराधना-उपासना निरर्थक है। वर्तमान विश्व में युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, द्वेष, हत्या, चोरी, बलात्कार, झूठ, कपट आदि का बोलबाला है। यह सब धर्म के साथ धोखा है, निपट अज्ञानदशा है। ये दुष्कृत्य दुर्भाग्य का बीजारोपण हैं। पाप के अनुबंध और दुःखों के भुगतान के अलावा इनकी कोई फलश्रुति नहीं होगी। इस प्रकार वर्तमान विश्व में धर्म, शांति और स्वरक्षा के नाम पर बहुत बड़ी मात्रा में सिर्फ अधर्म हो रहा है। जो काम जानवर नहीं करते, मानवता को कलंकित करने का वह काम मनुष्य कर रहा है।ङ्गगुरुवार को राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी के सांसद बसवराज बोम्मई ने धर्मसभा में उपस्थित होकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी व गणि पद्मविमलसागरजी से आशीर्वाद ग्रहण किए। जैनाचार्य ने उन्हें निरंतर सत्कार्य करते रहने की प्रेरणा दी।

सांसद बसवराज बोम्मई संतश्री के दर्शन करने पहुंचे।

वाणिज्यिक कर विभाग के कार्यालय 30 को कार्य करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन को देखते हुए, करदाताओं की सुविधा के लिए, महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आम अवकाश के बावजूद, वाणिज्यिक कर विभाग के सभी कार्यालय 30 मार्च को खुले रहेंगे। वाणिज्यिक कर आयुक्त ने एक बयान में कहा कि करदाता इस अवसर का उपयोग अपने लंबित कर भुगतानों और अन्य विभागीय कार्यों को पूरा करने के लिए कर सकते हैं।

इंफोसिस 5,260 करोड़ रुपये के सौदे में ऑप्टिमम हेल्थकेयर आईटी, स्ट्रेटस का अधिग्रहण करेगी

बेंगलूरु। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस ने स्वास्थ्य और बीमा क्षेत्र की दो कंपनियों के अधिग्रहण की घोषणा की है। इन दोनों सौदों की कुल कीमत करीब 5,260 करोड़ रुपये बताई गई है।

कंपनी ने कहा कि वह स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल बदलाव से जुड़ी कंपनी ऑप्टिमम हेल्थकेयर आईटी का अधिग्रहण करेगी। इस सौदे की कीमत अधिकतम 46.5 करोड़ डॉलर होगी। यह अधिग्रहण वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है, बशर्ते सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी हो जाएं। इन्फोसिस ने बयान में कहा कि उसने ऑप्टिमम हेल्थकेयर आईटी के अधिग्रहण के लिए पक्का समझौता किया है। यह कंपनी स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल बदलाव और परामर्श सेवाएं देने वाली अग्रणी कंपनियों में मानी जाती है और स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थानों को बड़े स्तर पर बदलाव लाने में मदद करती है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलील पारेख ने कहा कि ऑप्टिमम हेल्थकेयर आईटी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और इसके अनुभव से इन्फोसिस को बड़े स्तर पर डिजिटल बदलाव लाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, इन्फोसिस ने बीमा क्षेत्र की प्रौद्योगिकी समाधान देने वाली कंपनी 'स्ट्रेटस' के अधिग्रहण का भी पक्का समझौता किया है। यह सौदा नकद 9.5 करोड़ डॉलर का है। अमेरिकी कंपनी स्ट्रेटस बीमा कंपनियों को प्रौद्योगिकी परामर्श और समाधान उपलब्ध कराती है। कंपनी के पास 450 से अधिक विशेषज्ञों की टीम है और यह अमेरिका, कनाडा और भारत में अपनी सेवाएं देती है।

जयप्रकाश अग्रवाल

विनोद गर्ग

जयप्रकाश बने मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के अध्यक्ष, विनोद बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) बेंगलूरु शाखा की वार्षिक बैठक का आयोजन गुरुवार को किया गया। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई। बैठक में वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। चुनाव अधिकारी स्नेहकुमार जाजू ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जयप्रकाश अग्रवाल को अध्यक्ष, विनोद गर्ग को सचिव एवं आशु मित्तल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की।

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं और आगामी कार्यकाल के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

दुर्गा पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के फरिश्ते चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जयनगर स्थित अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं कहा कि हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। ट्रस्ट की अध्यक्ष सीमा गुप्ता एवं अन्य ने मुणोत को सम्मानित किया।

जुलूस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ गुरुवार को नागपुर में रामनवमी के जुलूस में शामिल हुए।

पांडाल पूजन के साथ महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारियों का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारियों के अंतर्गत जैन युवा संगठन के तत्वावधान में फ्रीडम पार्क में पांडाल निर्माण कार्य का शुभारंभ पूजा के साथ हुआ। इस अवसर पर भगवान महावीर का स्मरण करते हुए आयोजन की सफलता के लिए मंगलकामनाएं की गईं तथा परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने सभी पदाधिकारियों और समितियों के सदस्यों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस वर्ष महोत्सव को और अधिक भव्य तथा संगठित रूप से मनाने के लिए सभी लोग एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। उपाध्यक्ष रितेश पामेचा व मंत्री सुश्रुत चेलावत ने बताया कि पांडाल पूजन के साथ ही महोत्सव की तैयारियों ने एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर लिया है।

उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान मानव सेवा से जुड़े विभिन्न स्टॉल्स के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सेवा के कार्य किए जाएंगे। साथ ही जीव दया के अंतर्गत पशु-पक्षियों की रक्षा, उन्हें आहार उपलब्ध कराने तथा जीवों के प्रति दया और संवेदनशीलता का संदेश समाज तक पहुँचाने के लिए विशेष स्टॉल्स लगाए जाएंगे। ङ्गङ्गइस मौके पर पंडाल समिति के चेयरमैन कुशल डूंगरवाल, सह चेयरमैन संतोष डूंगरवाल तथा अनिल बंट पांडाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस मौके पर सहमंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व मंत्री नीरज कटारिया, मदन मुणोत, पूर्व सहमंत्री विशाल गुगलिया सहित अनेक सदस्य व सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी दिनेश खिंवेसरा आदि उपस्थित थे।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज भवन के लिए भूखण्ड पर हुआ भूमिपूजन एवं शिलान्यास

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के एयरपोर्ट रोड़ पर देवनहल्ली के पास शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के भूखण्ड पर बुधवार को समाज भवन के लिए अध्यक्ष सुनील शर्मा एवं धर्मपत्नी संतोष शर्मा के यजमानत्व में विद्वान पंडितों के आचार्यत्व में वेदमंत्रों के साथ गणपति पूजन, सूर्यनारायण पूजा, नवग्रह पूजा, महालक्ष्मी पूजा सहित वास्तु पूजा के साथ विधि-विधान पूर्वक भूमि पूजन एवं शिलान्यास पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा, चेतनप्रकाश शर्मा, बाबूलाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रत्येक विधायक को आईपीएल मैच के चार वीआईपी टिकट दिए जाने चाहिए : कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू. टी. खादर ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने को कहा कि बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के दौरान प्रत्येक विधायक को वीआईपी कोटे से चार टिकट सुनिश्चित किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष ने यह निर्देश, विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कई विधायकों द्वारा यह दावा किये जाने के बाद जारी किया कि उन्हें मैचों के दौरान सिर्फ एक टिकट दिया गया और बैठने की उचित व्यवस्था नहीं की गई। कुछ विधायकों ने स्टेडियम में अपने लिए अलग लाउंज की भी मांग की।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब 28 मार्च को बेंगलूरु में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का उद्घाटन मुकाबला पिछले साल के विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होना है। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश के बाद उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि वह कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अधिकारियों से बात करेंगे और विधानसभा के अगले सत्र के दौरान सदन को सूचित करेंगे। इस पर, खादर और कुछ विधायकों ने उल्लेख किया कि आईपीएल मैच 28 मार्च से शुरू हो रहे हैं। इसके बाद, शिवकुमार ने कहा कि वह तुरंत केएससीए अधिकारियों से बात करेंगे।

उन्होंने कहा, ''मैं वहां के अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। मैं केएससीए का सदस्य होने के नाते उनके चुनावों में वोट भी देता हूं। विधायकों द्वारा यह मांग करने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्हें यह सुविधा मांगने का पूरा अधिकार है। मैं उनसे बात करूंगा।''

यह मुद्दा एक चर्चा के दौरान उस वक्त उठा, जब मंत्री के. जे. जॉर्ज ने बेंगलूरु के विकास पर हो रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि अगर विरासत विमानन संस्थान जक्कूर फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल' को उसके वर्तमान स्थल से स्थानांतरित किया जाता है तो एक नया खेल मैदान या स्टेडियम बनाने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने इस प्रस्ताव का विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार 'बिल्डर्स' को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बाद में इस मुद्दे को स्थगित कर दिया, और कोई निर्णय नहीं लिया गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सी. एन. अश्वथ नारायण ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, सवाल किया कि क्या बेंगलूरु में क्रिकेट के एक नये मैदान के लिए जमीन की कमी है? उन्होंने कहा, क्या उन्हें सरकारी जमीन की जरूरत है? उन्हें केवल सरकारी अनुमति की जरूरत है।''

आर. अशोक ने कहा, ''वे (केएससीए) मैचों के दौरान हमें उपयुक्त रूप से टिकट नहीं देते हैं, फिर भी सरकार उन्हें स्टेडियम के लिए जमीन देना चाहती है।''

विवेक में ही धर्म विद्यमान है : साध्वीश्री मनीषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में गुरुवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री मनीषा जी ने कहा कि विवेक में ही धर्म है। मन, वचन, काया की शुद्धता से दान, धर्म साधना, जप तप करने से साधक के कर्मों का बंधन नहीं होता है। धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखते हुए परिवार, समाज में परस्पर सौहार्द, एकता और विकास के साथ विश्वास की मंगल भावना, आदर भाव रखना चाहिए। कल का पुरुषार्थ आज का भाग्य है। हमेशा अपने माता पिता और गुरु का यथोचित सत्कार,आदर सम्मान करते हुए अवसर का लाभ उठाना चाहिए। साध्वीश्री पूर्वा श्रीजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे अध्ययन पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की।इस अवसर पर हनुमंत नगर संघ के अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार कचोलिया ने किया।

कर्नाटक मानवता का राज्य है : यूटी खादर

बेंगलूरु। विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने विधानसभा में कहा कि कर्नाटक मानवता का राज्य है, प्रतिशोध का राज्य नहीं। गुरुवार को विधानसभा में ग्रेटर बेंगलूरु विषय पर उपमुख्यमंत्री के जवाब देते समय सदस्यों का खड़े होकर अनावश्यक रूप से बोलना उचित नहीं है। बहस की अनुमति पहले ही दे दी गई थी। बहस के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं सहित कई सदस्यों ने भाग लिया और कई मुद्दे उठाए तथा सुझाव भी दिए। उपमुख्यमंत्री के जवाब देते समय सदस्यों का खड़े होकर अनावश्यक रूप से बोलना ठीक नहीं है। सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करना कोई बड़ी बात नहीं है।

दुख में सुख ढूंढने की कला को जिंदगी कहते हैं : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में गुरुवार को आयोजित प्रवचन में मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि इस लोक में अनंत जीव जन्म लेते हैं और अनंत मर जाते हैं। जन्म और मृत्यु के बीच के समय को हमें सार्थक करना है। सुख दुख तो जीवन के दो पाट होते हैं। दुख में सुख ढूंढने की कला को जिंदगी कहते हैं। ज्ञान दर्शन और चारित्र वे रत्न हैं जिन्हें पा कर हम अनमोल हो सकते हैं। हम भौतिक आसक्ति छोड़ें और व्रती बनें। मुनि पुलकित कुमार जी ने अपने स्वयं के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उनकी सांसारिक मातेश्वरी की प्रेरणा थी कि संसार के सर्वोच्च पद मुनि बनूं। आचार्य तुलसी जी से आशीर्वाद मिला और संयम के प्रति आकर्षण बढ़ा। घर का मोह छोड़ा, पैदल चले, लोच किया ज्ञानार्जन कर दीक्षा हेतु परीक्षा पास कर 14 वर्ष की उम्र में संयम ले कर आज वे शाश्वत सुख जैसा संयम में सुख अनुभव कर रहे हैं।ङ्ग इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए मुनि श्री आदित्य कुमार जी ने कहा कि हम वर्तमान में जिएं और भविष्य सुधारें। वर्तमान व्यर्थ तो सर्व व्यर्थ हो सकता है। वर्तमान ही सत्य और साक्षात है। वर्तमान को जानने वाला पंडित होता है। वर्तमान ही हमारी गति और मंजिल स्पष्ट करता है। अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मुनि द्वय ने अभी तक पांच हजार जैन परिवारों से संपर्क किया है। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**